सच की सशक्त आवाज़

सत्य • निष्पक्ष • निर्भीक

युग सृष्टि

हिंदी दैनिक

RNI No. 127408

जन-जन की आवाज़, युग की सृष्टि

वर्ष : 13, अंक : 293 | लखनऊ, गुरूवार 24 सितम्बर 2026 | पेज - 8 | मूल्य : 2 रूपया

चुनाव आयुक्तों ने ईसीआई के कामकाज पर उठाए सवाल, 14 बार दर्ज कराई आपत्ति

▸ विशेष गहन पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीयन और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर उठाए सवाल; आयोग ने कहा- सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए

एजेंसी।

नई दिल्ली । चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट ने आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। सूत्रों के अनुसार, तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार विभिन्न फैसलों और आदेशों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन दर्ज की गई थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर, नए मतदाताओं के पंजीयन, मतदाता सूची से नाम हटाने और दोबारा जोड़ने, अपील की प्रक्रिया तथा मतदाता सूची के आंकड़ों की सुरक्षा से था। दोनों चुनाव आयुक्तों की कई आपत्तियों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गई थीं।

रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने कुछ ऐसे निर्णयों पर सवाल उठाए, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्हें उनकी जानकारी या स्वीकृति के बिना चुनाव आयोग के नाम से जारी किया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दोनों आयुक्तों ने मतदाता सूची के प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के नियंत्रण को अधिक केंद्रीकृत किए

जाने पर चिंता जताई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों आयुक्तों ने नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मतदाता सूची से नाम हटाने और पुनः शामिल करने तथा एसआईआर के दौरान नाम बहाल करने से जुड़े आदेशों के खिलाफ अपील जैसे मुद्दों पर आपत्ति दर्ज की थी।

रिपोर्ट में 16 मई की एक आपत्ति का विशेष उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार चुनाव आयुक्त विवेक जोशी ने नए मतदाताओं के पंजीयन के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रपत्र-6 में एसआईआर से संबंधित नई घोषणा जोड़ने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई थी।

2017 के पहले सपा के गुंडों ने प्रदेश का माहौल खराब कर रखा था, बेटियों को करते थे परेशानः सीएम योगी

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सुरक्षा को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में ऐसी स्थिति थी कि कहावत चल पड़ी थी, 'देख सपाई, बिटिया घबराई।' अभिभावक बेटियों की पढ़ाई और सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते थे। तत्कालीन सरकार के गुंडों ने माहौल खराब कर रखा था। कई जिलों में बेटियों की पढ़ाई संकट में थी। सपा के शोहदे उन्हें परेशान करते थे, जबरन उठा ले जाते थे। सीएम योगी ने कहा कि पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी, जमीन पर कब्जे और अराजकता का माहौल था, जबकि आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू, दंगा, भय, गुंडागर्दी और अवैध कब्जे से मुक्त है। 2017 के बाद समाज और सरकार ने एक दिशा में काम किया तो इसके परिणाम सामने आए हैं। सीएम योगी बुधवार को चरगांवा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 100 महिलाओं की क्षमता वाले सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त इस भवन के निर्माण पर 8 करोड़ 5 लाख 42 हजार रुपए की लागत आई है। लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि घर छोड़ने को मजबूर किसी बेटी या घरेलू हिंसा की शिकार महिला को अब दर-दर की ठोकर नहीं खानी पड़ेगी। गोरखपुर में 100 बेड का राजकीय महिला शरणालय ऐसी महिलाओं का संबल बनेगा। आधी आबादी को सम्मान और सुरक्षा देने के साथ स्वावलंबन के पथ पर आगे बढ़ाकर विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, विवाह, सुरक्षा और स्वावलंबन तक सरकार उसके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत जन्म से स्नातक तक बेटी के लिए 25 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक लाख रुपए की व्यवस्था की गई है।

एक नजर

नियमितीकरण समेत छह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारी संघ ने प्रदेश के एनएचएम संविदा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अविनाश गुप्ता को मांग पत्र दिया गया। संगठन ने ज्ञापन में दो प्रमुख मांगों के साथ छह सूत्रीय मांग-पत्र प्रस्तुत करते हुए इनके समाधान की मांग की है।

कालकाजी में गैंगरेप के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज में कक्षाएं बंद, अब ऑनलाइन होगी पढ़ाई

नई दिल्ली । दिल्ली के कालकाजी इलाके में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप की घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमन ने मंगलवार से अपनी नियमित कक्षाएं रद्द कर दी है। कॉलेज ने बुधवार से अपनी सभी कक्षाओं को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया है। कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि उसके छात्रों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें कि जिस जगह गैंगरेप हुआ है, वहां से कॉलेज लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित है।

कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के आहूजा ने कहा, जब हमें इस बुरी घटना के बारे में पता चला, तो हमने क्लास रद्द कर दीं। हमारे स्टूडेंट्स की सेफ्टी, सिक्योरिटी और उनकी भलाई हमारे लिए सबसे जरूरी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने संकाय सलाहकारों और कॉलेज काउंसलर से निवेदन किया है कि वे छात्राओं को किसी भी तरह की मदद के लिए हमेशा उपलब्ध रहें। कॉलेज ने सुरक्षा भी बढ़ा दी है।

किशोरी सोमवार शाम को करीब साढ़े 7 बजे अपने पुरुष मित्र के साथ कालकाजी मंदिर से आस्था कुंज पार्क गई थी, जहां आरोपी 3 युवक पहले से मौजूद थे।

उन्होंने लड़का-लड़की को साथ देखा तो उनसे पूछताछ की और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए धमकाया। आरोप है कि तीनों ने मिलकर बंदूक और चाकू की नोंक पर लड़की का गैंगरेप किया और भाग गए।

पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक को गोली मारकर पकड़ा गया।

म्यांमार में कथित आतंकी ट्रेनिंग का मामला 6 यूक्रेनी नागरिकों को कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को म्यांमार में सशस्त्र समूहों को कथित तौर पर हथियार और ड्रोन से जुड़ी ट्रेनिंग देने के मामले में गिरफ्तार छह यूक्रेनी नागरिकों को डिफॉल्ट बेल दे दी। प्रत्येक आरोपी को एक लाख रुपए का कैश बॉन्ड भरने का निर्देश दिया गया है। विशेष एनआईए जज प्रशांत शर्मा ने यह आदेश पारित किया। छह यूक्रेनी नागरिकों की पहचान पेट्रो हुरबा, तारास स्लिवियाक, इवान सुकमानोवस्की, मारियन स्टेफांकिव, मक्सिम होंचरुक और विक्टर कामिंस्की के रूप में हुई है। इन्हें अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक के साथ मार्च 2026 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने छह यूक्रेनी नागरिकों को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट से जुड़े अपराधों से भी मुक्त कर दिया है। यह कार्रवाई फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष अपराधों के कंपाउंड होने के आधार पर की गई। एफआरआरओ ने प्रत्येक आरोपी पर 5.5 लाख रुपए का

लालबागचा राजा के दरबार पहुंचे राजपाल यादव आम जनता के साथ मिलकर किए दर्शन

एजेंसी।

मुंबई। गणेश उत्सव पर मुंबई के लालबागचा राजा के दरबार में लगातार फिल्मी सितारे पहुंच रहे हैं। हाल ही में, शाहरुख खान, संजय दत्त और अनन्या पांडे समेत कई हस्तियों को दरबार में हाजिरी लगाते देखा गया। ताजा वीडियो राजपाल यादव का सामने आया है, जिसमें उन्हें आम जनता के साथ लाइन में लगते हुए बप्पा के दर्शन करते हुए देखा गया। जहां आमतौर पर सितारों के लिए वीआईपी दर्शन की सुविधा थीं, तो वहीं राजपाल जनता के साथ नजर आए। राजपाल के लालबागचा पंडाल के दर्शन का वीडियो ऑनलाइन सामने आया है। इसमें उन्हें बप्पा के दर्शन के लिए अन्य श्रद्धालुओं के साथ कतार में खड़े देखा जा सकता है। अपनी बारी का इंतजार करते हुए उन्होंने ÷गणपति बप्पा मोरिया÷ का जयकारा लगाया। वीआईपी दर्शन को ठुकराने के उनके इस फैसले से फैंस भी खुश दिखे और राजपाल की सराहना कर रहे हैं।

बता दें, राजपाल 9 करोड़ के चेक बाउंस मामले को लेकर लंबे समय से चर्चा

भाजपा सरकार पर सपा नेता ने लगाए गंभीर आरोप, परीक्षा प्रणाली और पीडीए मुद्दे पर उठाए सवाल

छविनाथ

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी बयान में भाजपा सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। बयान में कहा गया कि सरकार की नीतियों से छात्र, नौजवान, किसान, गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग प्रभावित हुए हैं।

सपा की ओर से दावा किया गया कि पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों और नौजवानों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। बयान में पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी

सवाल उठाते हुए पूछा गया कि इसके आदेश किस स्तर से दिए गए थे।

बयान में उत्तर प्रदेश में अपराध, पुलिस कार्रवाई और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा गया। सपा ने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़, फर्जी मुकदमों और पुलिस हिरासत में मौतों के मामलों में पीडीए वर्ग के लोगों को अधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भी पार्टी ने सरकार पर जातीय भेदभाव का आरोप लगाया है।

विश्वकर्मा समाज को लेकर जारी बयान में सपा ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में समाज के युवाओं की हत्याओं और बेटियों से दुष्कर्म की घटनाएं हुईं। साथ ही आरोप लगाया गया कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय न्याय की मांग करने वाले सपा कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए।

बयान में विश्वकर्मा समाज से संबंधित पूर्ववर्ती सपा सरकार के दौरान लिए गए फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि भाजपा सरकार ने कई व्यवस्थाओं को समाप्त या निरस्त किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल योजना को लेकर भी सपा ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि युवाओं को शिक्षा, नौकरी और रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं।

सरकारी भर्तियों और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सपा ने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में 22 परीक्षाओं में आरक्षित वर्ग के 11,514 पदों पर सामान्य एवं उच्च वर्ग के अभ्यर्थियों की भर्ती की गई। साथ ही 20 परीक्षाओं के पेपर लीक होने का दावा करते हुए कहा गया कि इससे लाखों अभ्यर्थी प्रभावित हुए। इन आंकड़ों और आरोपों पर संबंधित सरकारी विभागों की ओर से इस बयान में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

सपा ने निषाद, केवट, मल्लाह, कश्यप, बिंद, बियार, राजभर और प्रजापति जैसी अति पिछड़ी जातियों से जुड़े आरक्षण के मुद्दे को भी उठाया। पार्टी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण से संबंधित जारी शासनादेश को भाजपा सरकार ने आगे नहीं बढ़ाया।

बयान के अंत में सपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा सरकार को हटाने और अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील की। पार्टी ने कहा कि सत्ता में आने पर पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी।

नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक पर गंभीर आरोप, जिलाधिकारी से जांच की मांग

एजेंसी।

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर के पूर्व सभासद सज्जाद खान ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पालिका में तैनात राजस्व निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह पर गृहकर-जलककर और अन्य राजस्व वसूली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की विभागीय जांच कराकर विधिक कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका के गृहकर-जलककर असेसमेंट रजिस्टर के कॉलम नंबर-5 में भवन में रहने वाले व्यक्ति, संस्था या किरायेदार का नाम और वास्तविक मासिक

किराया दर्ज किया जाना चाहिए। इसी आधार पर गृहकर व जलकर निर्धारित होता है। आरोप है कि कई मामलों में इसका पालन नहीं किया जा रहा है।

पत्र में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर बने बैंक, मॉल, होटल, गेस्ट हाउस, निजी अस्पताल, नर्सिंग होम, मैरिज लॉन और बड़े शोरूम जैसी संपत्तियों का विवरण असेसमेंट रजिस्टर में दर्ज नहीं किया गया है। आरोप है कि इन पर मानक के अनुरूप टैक्स नहीं लगाया गया और पूर्व में लगाए गए टैक्स को भी कम किया जा रहा है।

पूर्व सभासद ने यह भी आरोप लगाया है कि शासन के निर्देश के बावजूद भवनों का पुनर्मूल्यांकन निर्धारित समय पर नहीं कराया जा रहा है। इससे पालिका को हर वर्ष राजस्व की क्षति होने का दावा किया गया है। प्रार्थना पत्र के एक अन्य बिंदु में पार्किंग शुल्क वसूली को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि पार्किंग का ठेका एक माह का अग्रिम शुल्क जमा कराने के बाद संचालित किया जाना चाहिए, लेकिन संबंधित ठेकेदार द्वारा करीब दो माह का शुल्क बकाया होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। साथ ही ठेके पर लगने वाले लाखों रुपये के स्थान शुल्क की भी वसूली नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया है। सज्जाद खान ने अब्दुल्ला गंज स्थित पालिका की 13 कोठरियों का भी उल्लेख किया है। उनका आरोप है कि वर्षों पूर्व इनका किराया महज दो रुपये था और बाद में इन्हें 'अस्तित्वहीन' घोषित कर किरायेदारों के पक्ष में बिक्री का शासनादेश जारी किया गया। प्रार्थना पत्र के अनुसार, वर्तमान में इन कोठरियों पर कब्जे हैं और निर्माण भी किए जा रहे हैं, जबकि वर्ष 2012 से वास्तविक किराया पालिका में जमा नहीं होने के कारण पुराने किरायेदारों के नाम डिमांड रजिस्टर से काटे जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी कर सकते हैं अमेरिका का दौरा
राष्ट्रपति ट्रंप से द्विपक्षीय वार्ता की भी संभावना

एजेंसी।

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिसंबर में अमेरिका दौरे पर जाने की संभावना है। अमेरिका के फ्लोरिडा में 14 और 15 दिसंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। सम्मेलन की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। हालांकि, भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के दौरे की अभी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार, जी-20 शिखर सम्मेलन फ्लोरिडा स्थित ट्रंप नेशनल डोरल मियामी रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। यदि

प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन में शामिल होते हैं तो उनके और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। दोनों नेताओं के बीच होने वाली संभावित वार्ता में भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठ सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित मुलाकात ऐसे समय में होगी, जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते की दिशा में भी चर्चा कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में रूस से भारत द्वारा कच्चे तेल की खरीद और उससे जुड़े अमेरिकी शुल्क का मुद्दा भी महत्वपूर्ण बना हुआ है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका की ओर से रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की व्यवस्था को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ा है। रॉयटर्स ने भी इसे दोनों देशों के बीच जारी व्यापार वार्ता को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने पहले कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी उन प्रमुख नेताओं में शामिल हैं, जिनसे राष्ट्रपति ट्रंप जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात करना चाहेंगे।

पूजा के दौरान खूनी वारदात, पत्नी और दो पुरोहितों की हत्या के बाद बेटे को भी मारी गोली, 7 घंटे ड्रामे के बाद आरोपी ढेर

संवाददाता

आजमगढ । उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के अहरौला थाना क्षेत्र के शंभूपुर गहजी गांव में मंगलवार शाम पूजा-पाठ के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। अरविंद सिंह नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी बबीता और पूजा कराने आए दो पुरोहितों को गोली मार दी। इसके बाद वह अपने तीन बच्चों को लेकर घर के एक कमरे में बंद हो गया। पुलिस के मुताबिक, कमरे के

भीतर से गोली चलने की आवाज आने पर अरविंद ने अपने एक बेटे को भी गोली मार दी। बच्चों की जान बचाने के लिए पुलिस ने कमरे में प्रवेश किया और जवाबी कार्रवाई में अरविंद घायल हो गया। बाद में उसकी भी मौत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अरविंद के परिवार की ओर से घर में विशेष पूजा-अनुष्ठान कराया जा रहा था। परिवार के लोगों का कहना था कि अरविंद का व्यवहार कुछ समय से असामान्य था। उसकी मां और पत्नी को आशंका थी कि उस पर किसी तरह का बुरा साया है, जिसके चलते घर में अनुष्ठान कराया जा रहा था। हालांकि पुलिस जांच में उसके मानसिक स्वास्थ्य और घटना के वास्तविक कारणों से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

मंगलवार शाम अरविंद घर लौटा और पूजा होते देख उसका पुरोहितों से विवाद हो गया। विभिन्न प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, विवाद के दौरान उसने पुरोहितों से पहचान पत्र दिखाने को भी कहा था। इसके बाद कहासुनी बढ़ गई और अरविंद ने अपनी लाइसेंसी हथियार से गोलीबारी कर दी। इस घटना में उसकी पत्नी बबीता और पूजा कराने आए दो पुरोहितों की मौत हो गई। मृत पुरोहितों में महेंद्र पाठक की पहचान की गई है।

तीन लोगों की हत्या के बाद अरविंद अपने तीन बच्चों को लेकर घर के एक कमरे में बंद हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मकान को घेर लिया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा,

न खता न बही जो कोटेदार कहे वही सही मनबढ़ कोटेदार के खिलाफ सप्लाई इंस्पेक्टर ने शुरु की जांच

संवाददाता

महराजगंज रायबरेली । एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की योगी सरकार लाख दावे करती है कि हम आम आदमी तक बगैर भ्रष्टाचार के राशन पूरा पहुंचा रहे हैं ।लेकिन दूसरी तरफ ग्रामीणों को राशन लेने के लिए तहसील में संघर्ष करना पड़ता है तब भी राशन नहीं मिल पाता और मिलती है तो सिर्फ गालियां। महराजगंज विकासखंड क्षेत्र के कैर गांव के कोटेदार की मनमानी और दबंगई इस कदर हावी है की नियम और कानून ताक पर रखकर बांट के नाम पर ईंट से तौल की जाती है और जब कोई कुछ पूछता है तो कोटेदार का पुत्र जिस दिन राशन बांटना होता है उस दिन शराब पीकर आ जाता है और राशन लेने वालों को धमकता रहता है गाली गलौज करते हुए लोगों को वहां से भागने की कोशिश करता है कि राशन न देना पड़े। कैर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को तहसील परिसर एसडीएम कार्यालय पर पहुंचकर ग्रामीण अखिलेश राजेश्वरी नीलम कुसुम देवकली रामकली सुरेश कुमार प्रेम कुमारी पुष्पा कन्हैया राजकली प्रेमचंद श्याम कुमारी रामदेव सुधीर कुमार करन देवानंद राजेश सहित अन्य ग्रामीणों ने तहसीलदार को राशन न मिलने के संबंध में ज्ञापन भी दिया गया वहीं बुधवार को सप्लाई इंस्पेक्टर द्वारा जांच करने की बात भी कही गई। बुधवार को पत्रकार द्वारा जब कवरेज की जा रही थी तो ईंट का बांट बनाकर राशन की तौल की जा रही थी जिस पर वीडियो बनाने के वक्त कोटेदार का पुत्र राजकुमार शराब पीकर आया और कहने लगा कि क्या कर रहे हैं आप आप लोगों के लिए 376 की धारा बनी हुई है और पत्रकारों से बदतमीजी करने लगा वहीं मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि कोटेदार के पुत्र द्वारा जिस दिन राशन बांटना होता है उस दिन जमकर बवाल काटा जाता है कि लोग यहां से चले जाएं और राशन न लें कई बार इसकी शिकायत भी की गई लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है कल तहसील में ज्ञापन दिया गया कि लोगों को राशन कम दिया जाता है कुछ लोगों को दिया ही नहीं जाता केवल कुछ ही लोगों को राशन दिया जाता है कोटेदार मनबढ़ है। सरकार की तरफ से जब हम सभी के लिए राशन आता है तो आखिर कोटेदार राशन क्यों हजम कर लेता है ग्रामीणों ने बताया कि जुलाई माह का तो पूरा राशन ही कोटेदार का गया तथा 5 किलो की जगह पर जब घर पर तौलों तो 4 किलो ही निकलता है लगातार भ्रष्टाचार कोटेदार द्वारा किया जा रहा है और इस पर कार्रवाई नहीं हो रही है।वही कोटेदार के पुत्र की अभद्रता की बात जब एसडीएम आयुष अग्रवाल से की गई तो उन्होंने सप्लाई इंस्पेक्टर को फोन मिलाते हुए जांच के आदेश दिए और कहां की रिपोर्ट जल्द से जल्द मुझे दी जाए सप्लाई इंस्पेक्टर मुकेश पांडे द्वारा आज दोपहर बाद कैर गांव पहुंच कर कार्ड धारकों से पूछताछ की और कोटेदार के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

वेल्डिंग का काम करते समय युवक की अचानक बिगड़ी हालत, मौत

डलमऊ रायबरेली। कस्बे में वेल्डिंग का काम कर रहे एक युवक की अचानक हालत बिगड़ गई। साथियों द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।डलमऊ कस्बे के मोहल्ला शेखवाड़ा निवासी शिबू उर्फ आमीन पुत्र लड्डुन वेल्डिंग का काम करता था। मृतक के छोटे भाई सैफी ने बताया कि बुधवार को मुराई बाग कस्बे में वेल्डिंग का काम करते समय अचानक शिबू उर्फ आमीन की हालत बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ता देख साथ में काम कर रहे सहयोगियों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ पहुंचाया, जहां मौजूद चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार राय ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराने के संबंध में लिखित सूचना दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम न कराने की लिखित सूचना दी गई थी। इसके आधार पर पंचनामा की कार्रवाई करते हुए शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट से बचाव हेतु किसानों को सलाह

रायबरेली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि जनपद में धान खरीफ मौसम की प्रमुख फसल है तथा बड़े क्षेत्रफल में इसकी खेती की जाती है। वर्तमान में जनपद के कुछ क्षेत्रों में धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं तना छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहा है। समय से नियंत्रण न किए जाने पर इन कीटों से फसल की पत्तियों एवं तनों को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन में कमी हो सकती है। पत्ती लपेटक कीट के लक्षण- छोटी सुंडी धान की पत्ती को किनारे से मोड़कर अथवा लपेटकर उसके अंदर रहती है और पत्ती की हरी सतह को खुरचकर खाती है। प्रभावित पत्तियों पर सफेद अथवा पारदर्शी धारियां दिखाई देती हैं तथा पत्तियां लंबाई में मुड़ी हुई या नाली नुमा हो जाती हैं। अधिक प्रकोप होने पर पौधे की हरी पत्तियों का क्षेत्रफल कम होने से प्रकाश संश्लेषण प्रभावित होता है। तना छेदक कीट के लक्षण- तना छेदक की सुंडी पौधे के तने में प्रवेश कर अंदरूनी भाग को खाती है। प्रारम्भिक अवस्था में पौधे की बीच की पत्ती सूखकर पीली पड़ जाती है, जिसे 'डेड हार्ट' (मृत गोभ) कहा जाता है। बालियां निकलने के समय प्रकोप होने पर बालियां सूख कर सफेद दिखाई देती हैं और उनमें दाने नहीं बनते। इस अवस्था को 'व्हाइट ईयर' (सफेद बाली) कहा जाता है।

जनपद में भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

रायबरेलीः। मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज लखनऊ से सहकारी क्षेत्र में सहकारिता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा कृषकों को सुगता एवं सरलतापूर्ण ढंग से उ0प्र0 राज्य सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0, लखनऊ के माध्यम से कम ब्याज दर पर दीर्घकालिक त्रण उपलब्ध कराने हेतु ''भारत टैक्सी योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना'' शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं सभापति जिला सहकारी बैंक लि0, रायबरेली विवेक विक्रम सिंह के साथ-साथ सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, रायबरेली विवेक कुमार सिंह, उपायुक्त स्वतः रोजगार प्रमोद सिंह, उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय, उपनिदेशक मत्स्य, सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला सहकारी बैंक, अध्यक्ष उ0प्र0 ग्राम विकास बैंक, समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह0), समस्त सहकारी सचिव एवं सम्मानित कृषकगणों के द्वारा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा तथा मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

रायबरेली । जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 तथा खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण रिक्त होने वाली सीटों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 29 सितम्बर 2026 को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026, नाम निर्देशनों की संवीक्षा 07 अक्टूबर 2026 तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से अपराह्न 04 बजे तक मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना होगी। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा ली जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्राविधानों के अनुसार आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, समस्त उप जिलाधिकारी, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के लिए विशेष अभियान, पात्र महिलाएं करें ऑनलाइन आवेदन

रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने बताया है कि जनपद में निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय विधवा महिलाओं को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि योजना के लिए आवेदिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए तथा अधिकतम आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। आवेदिका के पति की मृत्यु हो चुकी हो और पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध होना आवश्यक है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आवेदिका के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय ?2,00,000 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मुकेश शुक्ला बने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम के चयनकर्ता.

प्रयागराज । खेल जगत एवं शिक्षा विभाग में प्रयागराज के मेजा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। मुकेश शुक्ला को इस वर्ष पुनः उत्तर प्रदेश विद्यालयीय वॉलीबाल टीम का सेलेक्टर / चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य विद्यालयीय खेल संस्थान द्वारा जारी निर्गत पत्र के अनुसार प्रयागराज जिले के पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत मुकेश शुक्ला को अब प्रयागराज शहर के सी.ए.बी. इंटर कॉलेज में आज दिनांक 24 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाली (अंडर - 14, 17 व 19) ÷ 70वीं उत्तर प्रदेश (बालक/बालिका) अंतर मंडलीय स्टेट वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2026 ÷ के दौरान एक कुशल चयनकर्ता की भूमिका में होगें और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का चयन करेगें। मुकेश शुक्ला द्वारा चयनित किये गए खिलाड़ी इस वर्ष होने वाली ÷ राष्ट्रीय स्कूल वॉलीबाल प्रतियोगिता ÷ में उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेगें। मुकेश शुक्ला ने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम का चयनकर्ता बनाये जाने के पश्चात संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। मुकेश शुक्ला को चयनकर्ता नियुक्त किये जाने पर खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश सिंह, जिला एमडीएम प्रभारी राजीव त्रिपाठी, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद मिश्रा, शिक्षक नेता विनोद शुक्ला, शिक्षा विभाग के जिला क्रीड़ा सचिव बृजेश श्रीवास्तव, एआरपी रामानंद शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला तथा रोहित त्रिपाठी, अनिकेत जायसवाल, कृष्ण कुमार शुक्ला व वीरेंद्र गौड़ आदि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।।

सरस्वती विद्या मंदिर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में इनरव्हील क्लब बलरामपुर के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर बलरामपुर के कक्षा 9, 10, 11 तथा 12 की छात्राओं के लिए बुधवार को स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया । क्लब की प्रेसिडेंट संगीता मिश्रा ने 23 सितंबर को बताया टकि 60 छात्रों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें औषधि वितरित की गई । साथ ही स्वच्छता की जानकारी प्रदान की गई । मेडिकल कैंप में डॉ नेहा गुप्ता व डॉक्टर कौशल्या गुप्ता ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं । क्लब की वरिष्ठ सदस्य छाया गुप्ता, आशा मिश्रा, सुनीता श्रीवास्तवा ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया । औषधि वितरण में फार्मासिस्ट सुनील गुप्ता का योगदान रहा । सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक डॉक्टर सतीश सिंह ने क्लब के सभी सदस्यों का अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत करते हुए क्लब के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया ।

उद्यान मंत्री ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में वर वधु को दिया आशीर्वाद

रायबरेली,। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड सतांव के गन्ना कांटा मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी व मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में कुल 214 जोड़ों ने वैदिक विधि विधान से विवाह-सूत्र में बंधकर अपने जीवन की नई शुरुआत की। विवाह कार्यक्रम में हरचंदपुर 63, सातंव 58, खीरो 18, लालगंज 16, सरेनी 10, डीह 22, राही 20 एवं न0पं0 सलोन 7 जोड़े शामिल हैं। कार्यक्रम में मा0 उद्यान मंत्री ने आयोजित इस पावन एवं गरिमामयी कार्यक्रम में नवविवाहित दम्पतियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन आप सभी के जीवन में नई खुशियों, नई आशाओं और नए संकल्पों का शुभारंभ है।

मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विवाह संबंधी सहयोग उपलब्ध कराना है, जिसके अंतर्गत शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को कुल एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सम्मानपूर्वक सम्पन्न कराने का कार्य किया जा रहा है।

हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके सम्मान की भावना के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसी संवेदनशील सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

सहकारी गन्ना विकास समिति की सामान्य निकाय बैठक संपन्न, किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर में सहकारी गन्ना विकास समिति तुलसीपुर के तत्वावधान में बुधवार को नगर के एमडीएस सभागार में सामान्य निकाय साधारण सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष नीलम सिंह ने की। जानकारी के अनुसार 23 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रभर से आए सैकड़ों किसानों ने सहभागिता निभाई और अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा, जिस पर विस्तार से चर्चा करते हुए त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया गया। क्षेत्र में हाल के दिनों में गन्ने की बुवाई में आई कमी पर चिंता जताते हुए भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि को आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि चीनी मिल के सहयोग से समिति में कीटनाशक छिड़काव के लिए ड्रोन तकनीक और मिट्टी जांच की अत्याधुनिक मशीनें निशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं, जिनका उपयोग कर किसान लागत घटाने के साथ अपनी उपज कई गुना बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा जिन किसानों के पास खुद का ट्रैक्टर नहीं है, उनके लिए बहुत ही कम किराए पर ड्राइवर सहित ट्रैक्टर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि छोटे किसानों को खेती में बाधा न आए। बैठक में तुलसीपुर क्षेत्र के विभिन्न गन्ना क्रय केंद्रों की स्थिति को मजबूत और सुव्यवस्थित करने पर भी गंभीर मंथन किया गया। मंच का संचालन अखिलेश कुमार पांडे ने की। इस अवसर पर चीनी मिल तुलसीपुर के जीएम आशीष प्रताप सिंह, आनंद प्रताप सिंह अन्नू, मनराज सिंह, विश्राम सिंह, बृज गोपाल पांडे, विष्णु देव गुप्ता, अगम चंद्रशेखर सिंह, मोहम्मद अकबाल खान, संजय सिंह,संजीव श्रीवास्तव, राकेश चौधरी सहित समिति के डायरेक्टर राजेंद्र प्रसाद शुक्ला उपाध्यक्ष, रोहित तिवारी, दीपक कुमार, माधवराव चौधरी, जॉब्लेश्वर, हनुमान, राजकुमार, कनीज फातिमा , मीरा सिंह, मंसाराम, उदयभान यादव और भारी संख्या में क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

तहसील सभागार में व्यापार मंडल व प्रशासन की बैठक, नवरात्रि से पहले हटेगा अस्थाई अतिक्रमण - एसडीएम

तुलसीपुर बलरामपुर ।। जनपद बलरामपुर के तहसील तुलसीपुर सभागार में बुधवार को नगर के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की एक बैठक अतिक्रमण व जाम की समस्या को लेकर उपजिलाधिकारी हेमंत कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। जानकारी के अनुसार 23 सितंबर को आयोजित बैठक में महामंत्री रूप चन्द्र गुप्ता ने कहा कि बाजारों में फल-सब्जी के ठेला वालों द्वारा माइक लगाकर बिक्री किए जाने से पूरे नगर में शोर का साम्राज्य रहता है, जिससे व्यापारियों व राहगीरों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। व्यापारी नेता अरुण देव आर्य ने पूर्व में तोड़ी गई नालियों पर आज तक स्लैब न डाले जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विगत बैठक में ईओ द्वारा कहा गया था कि एक माह के भीतर सभी नालियों पर एकसमान रूप से ढक्कन लगाया जाएगा, परन्तु 9 माह बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। अध्यक्ष श्याम बिहारी अग्रहरि ने कहा कि नगर में पार्किंग सुविधा न होने से दिन भर बाजार में जाम लगा रहता है, जिससे स्थाई दुकानदारों को परेशानी होती है। इस पर उपजिलाधिकारी हेमंत कुमार गुप्ता ने कहा कि नवरात्रि से पूर्व नगर में अस्थाई अतिक्रमण को हटाया जाएगा। इस संबंध में नगर में उद्घोषणा करा दी गई है। उन्होंने व्यापारियों से भी सहयोग की अपील की। अंत में स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान के तहत सभी को स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए शपथ भी दिलाई गई।

डीएम ने किया वीएचएसएनडी सत्र का निरीक्षण, टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच का लिया जायजा

बलरामपुर। नियमित टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने विकासखंड हरैया सतघरवा की ग्राम पंचायत सकरी बनकटवा स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वीएचएसएनडी सत्र में बच्चों के नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), ड्यू लिस्ट एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। इस दौरान बताया गया कि सत्र में 17 बच्चों का टीकाकरण किया गया है।जिलाधिकारी ने एएनएम से टीकाकरण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा ड्यू लिस्ट का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्यू लिस्ट के अनुसार सभी पात्र बच्चों का निर्धारित समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण से छूटे बच्चों को चिह्नित कर उन्हें आगामी सत्रों में टीकाकरण से आच्छादित किया जाए। इसके लिए आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की निर्धारित समयावधि में नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण एएनसी सुनिश्चित की जाए। जांच के दौरान हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएं। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर उनकी विशेष निगरानी की जाए तथा आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य इकाइयों पर संदर्भित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने एएनएम के ई-कवच पोर्टल का भी अवलोकन किया। उन्होंने पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी विवरण, टीकाकरण तथा एएनसी की जानकारी नियमित रूप से अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आंकड़ों की समयबद्ध एवं सही प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए, जिससे लाभार्थियों की प्रभावी निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, संतुलित पोषण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि वीएचएसएनडी सत्रों का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर ही महिलाओं एवं बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराना है। सभी संबंधित स्वास्थ्य कर्मी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण तथा कोई भी गर्भवती महिला आवश्यक स्वास्थ्य जांच से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान एमओआईसी सुजीत पांडे व अन्य संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

खिड़कियों के शीशों में कंपन, वैष्णवी को तीन झटके, डीजे की तेज आवाज से स्कूल में सात साल की बच्ची की मौत

संवाददाता

लखनऊ । बलरामपुर में सोमवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के दौरान एक स्कूल में मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत ने शहर को झकझोर दिया है। इसके बाद मंगलवार को नगर पालिका में सर्व समाज की मौजूदगी में समिति की बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया बलरामपुर में प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के बीच स्कूल में सात साल की बच्ची की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बलरामपुर के डिवाइन पब्लिक स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा वैष्णवी तिवारी बेहोश हो गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस दौरान उसकी तबीयत बिगड़ी, स्कूल के बगल से गणेश प्रतिमा विसर्जन यात्रा गुजर रही

थी और तेज आवाज में डीजे बज रहा था। इस घटना से आहत होकर दो पूजा समितियों के पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। यही नहीं, सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध भी लगा दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया, इसलिए मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आ सकी। पिता सोनू तिवारी ने बताया कि स्कूल से बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। बेटी को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। सीओ अभिषेक सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। घटना सोमवार की है। सुबह करीब 11 बजे वैष्णवी कक्षा में थी। इसी दौरान तेज आवाज में डीजे बजाते हुए विसर्जन जुलूस निकला। तीन मिनट दो सेकंड के सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि आवाज से बच्ची तीन बार असहज हुई फिर अपनी सीट पर ही लटक गई। इसके बाद शिक्षक उसे अस्पताल ले गए। स्कूल के प्रबंधक आशीष उपाध्याय और शिक्षिकाओं के अनुसार, डीजे की आवाज इतनी तेज थी कि खिड़कियों के शीशों में कंपन महसूस हो रहा था। बच्ची की मौत ने झकझोरा, शहर में नहीं बजेगा डीजे

बलरामपुर क्षेत्र में सोमवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के दौरान बच्ची की मौत ने शहर को झकझोर दिया है। इसी के बाद मंगलवार को नगर पालिका में सर्व समाज की मौजूदगी में समिति की बैठक हुई। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने सर्वसम्मति से नगर क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया। बैठक में धर्मगुरु, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, धार्मिक समितियों के पदाधिकारी और सभासद शामिल हुए। विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने तेज ध्वनि से होने वाली परेशानियों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि अत्यधिक तेज आवाज से बीमारों, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को परेशानी होती है। हाल की दुखद घटना के बाद इस दिशा में सामूहिक पहल जरूरी है। नगर पालिका अध्यक्ष धीरू सिंह ने कहा कि नगरवासियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शांति सर्वोपरि है। धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में उत्सव की परंपरा के साथ नागरिकों की सुविधा और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में सभी लोगों ने नगर में डीजे की तेज ध्वनि पर प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई। धार्मिक समितियों के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में जिला प्रशासन को भी सहमति पत्र सौंपने की बात कही। बैठक में उदासीन संगत गेल्हापुर मंदिर के महंत बृजानंद जी महाराज, राजकुमार श्रीवास्तव, डीपी सिंह बैस, सर्वेश सिंह, संजय मिश्र, विजय अग्रवाल, हाजी नब्बन खां, मोहसिन खां, अब्दुल वहाब, आरिफ हुसैन, अब्दुल बारी, रमेश पहवा, प्रीतपाल सिंह, राम नरेश त्रिपाठी, डॉ. तुलसीश दुबे, डॉ. देवेश चंद्र श्रीवास्तव, डॉ. राकेश चंद्र, कृष्ण गोपाल गुप्ता, मनोज गुप्ता, संतोष गुप्ता, संजय शुक्ला, शुभेंद्र गौरव मिश्रा, विकास मिश्रा, सुनील गुप्ता, प्रकाश सोनी व अम्बरीश शुक्ला

गोंडा में मुठभेड़ के बाद तीन गौतस्कर गिरफ्तार, बहराइच में शातिर अपराधी पुलिस की गोली लगने से घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन गौतस्करों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस और चाकू समेत एक मोटरसाइकिल बरामद की। गोंडा पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ देर रात बनगांव से कटराबाजार रोड पर सघन चेकिंग के दौरान हुई। रोकने पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस पर गोली चलाई थी। जवाबी फायरिंग में कबीउल्लाह के पैर में गोली लगी। उसके दो साथी सुहेल और शमी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई टेपरा मगुरही निवासी श्रवण कुमार शुक्ला की गाय की बछिया चोरी की शिकायत पर की गई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया है। मौके से एक मोटरसाइकिल और एक बड़ा धारदार चाकू भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि घायल आरोपी कबीउल्लाह का आपराधिक इतिहास है। उस पर पहले से करनैलगंज व कटराबाजार थाने में 3 मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल, तीनों अपराधियों के विरुद्ध थाना कटराबाजार में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया और अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

उधर, उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी बीच दो आरोपी मौके से भागने में कामयाब रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई बहराइच जिले के रुपईडीहा क्षेत्र में की गई। अधिकारियों के अनुसार, अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत रुपईडीहा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रंजीतबोझा के बीहड़ जंगलों में घेराबंदी की। इसी दौरान चोरी की दो बाइकों को नेपाल भेजने की फिराक में निकले तीन शातिर बदमाशों को जैसे ही पुलिस ने रोका तभी, अपराधियों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। ?पुलिस की तरफ से आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में कुख्यात अपराधी अब्दुल उर्फ अब्दुल सलाम के पैर में लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गया। वहीं, घने कोहरे व अंधेरे का फायदा उठाकर उसके दो साथी जंगल में फरार हो गए। पकड़े गए हिस्ट्रीशीटर के कब्जे से अवैध पिस्टल, कारतूस और बिना नंबर की चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। घायल को कड़ी सुरक्षा में अस्पताल भेजा गया है। अधिकारियों ने कहा कि फरार बदमाशों की धरपकड़ के लिए जंगल में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

शहर में 86195 आवारा कुत्ते, सात साल में बढ़ गए 10 हजार से अधिक जानें नसबंदी की स्थिति और चुनौतियां

लखनऊ । लखनऊ शहर में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़कर 86195 हो गई है। सात साल में 10 हजार से अधिक कुत्ते बढ़ गए हैं। आगे पढ़ें और जानें नसबंदी की स्थिति और चुनौतियां.. राजधानी लखनऊ में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़कर 86,195 हो गई है। यह आंकड़ा नगर निगम और निजी संस्थान ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स की ओर से कराई गई पशु गणना-2025 की रिपोर्ट में सामने आया है। इससे पहले 2019 में हुई गणना में लगभग 75 हजार आवारा कुत्ते थ रिपोर्ट के अनुसार, 2019 में पूरे शहर में 75,678 आवारा कुत्ते थे, जिनका घनत्व 8.6 कुत्ते प्रति वर्ग किलोमीटर था। साल 2025 तक शहर की सीमा 317 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 496 वर्ग किलोमीटर हो गई है। इसके बाद हुई गणना में आवारा कुत्तों की तादाद भी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर की पुरानी सीमा में इस समय 66,405 कुत्ते हैं, वहीं नई सीमा में 19,790 कुत्ते पाए गए हैं। इसका मतलब है कि हर चार में से एक कुत्ता नए जुड़े इलाकों से है। 2019 से अब तक कुल 1,00,038 कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है, जिसमें 52,672 नर और 47,366 मादा कुत्ते शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पुराने शहर में नसबंदी कवरेज 80.8 फीसदी तक पहुंच गया है। यहां 53,680 कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है, जबकि केवल 12,724 बाकी हैं। हालांकि, नए इलाकों में कवरेज केवल 42.7 फीसदी है, जहां करीब 11,336 कुत्तों की नसबंदी अभी होनी है। पुराने क्षेत्र में जोन एक में सबसे कम घनत्व और सबसे ज्यादा 89 फीसदी नसबंदी दर्ज की गई है। जोनवार आंकड़े और प्रजनन दर सर्वाधिक कुत्ते जोन तीन में 18,411 और जोन छह में 13,249 पाए गए हैं। नए इलाकों में जोन चार 71.9 फीसदी नसबंदी के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके विपरीत, जोन छह (नया इलाका) में सबसे कम 9.6 फीसदी और जोन आठ (नया इलाका) में 14.3 फीसदी नसबंदी हुई है। नए इलाकों में प्रजनन दर अधिक है, जोन आठ (नया इलाका) में 17.1 फीसदी पिल्ले और 21.3 फीसदी दूध पिलाती मादाएं मिलीं, जो पुराने इलाके से तीन गुना ज्यादा है। नसबंदी न होती तो साढ़े तीन लाख होती आबादी पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा का कहना है कि जब कुत्तों की नसबंदी का कार्यक्रम शुरू हुआ तब उनकी आबादी करीब 70 हजार थी। ऐसे में नसबंदी के बाद भी आबादी कम नहीं हुई बल्कि बढ़ी है। यदि नसबंदी का अभियान न चलता तो इस समय आबादी करीब 3.50 लाख होती। वह कहते हैं कि एक मादा कुत्ता साल में दो बार बच्चे देता है और एक बार में कम से कम छह बच्चे होते हैं। इसमें से आधे ही जीवित रह पाते हैं। इस समय हर महीने के करीब 1,300 से 1,500 कुत्तों की नसबंदी हो रही है। जब एक और सेंटर शुरू हो जाएगा तो यह संख्या बढ़कर हर महीना 2,000 से अधिक हो जाएगी। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा का कहना है कि अभी करीब 23 हजार कुत्तों की नसबंदी बाकी है। कुत्तों की नसबंदी का एक और नया केंद्र नादरगंज इलाके में बन गया है। यह दो से तीन महीने में शुरू हो जाएगा। उसके बाद बिना नसबंदी वाले कुत्तों की संख्या लगभग शून्य हो जाएगी। ऐसे में कुत्तों की आबादी पर प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी नगर निगम के एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्य की सराहना कर चुका है। नगर निगम पालतू कुत्तों के लाइसेंस संबंधी नियमों को लेकर सख्ती बरती है। मंगलवार सुबह जोन-8 के आशियाना क्षेत्रों में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना लाइसेंस कुत्ता पालने वाले चार व्यक्तियों से 20,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि जुर्माना जमा कराने के साथ ही मौके पर चार नए लाइसेंस भी जारी किए गए। एक लेबराडोर कुत्ते को जब्त किया गया था, जिसे जुर्माना भरने के बाद छोड़ दिया गया।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की संगठनात्मक बैठके ,दिया जीत का मंत्र

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहारनपुर और मेरठ के कई संगठनात्मक कार्यक्रमों और बैठकों की अध्यक्षता की और कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों को चुनाव में जीत का मंत्र दिया। उन्होंने सहारनपुर में पार्टी के स्थानीय सांसदों, विधायकों और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा की। इन बैठकों में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने और बूथ स्तर की तैयारियों की समीक्षा की गई। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विभिन्न बैठकों में बारी-बारी से विधानसभा क्षेत्रवार पार्टी के संगठन और आगामी चुनाव में पार्टी की स्थिति के बारे में फीडबैक लिया। संगठन की गतिविधियों को और सक्रिय करने एवं डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए समन्वय पर जोर दिया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सहारनपुर में संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना की और उत्तर प्रदेश सहित समग्र राष्ट्र के कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा। मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संत रविदास जी के आदर्शों पर चलते हुए, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति को सम्मान और मुख्यधारा से जोड़ने का जो संकल्प हमने लिया है, उसे डबल इंजन की सरकार में पूरा कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री रविदास मंदिर समिति के अध्यक्ष और दलित समाज के गौरव अजब सिंह के आवास ओजपुरा, सहारनपुर पर दोपहर का भोजन किया। आज सहारनपुर और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कार्यकर्ताओं से मिलने, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने और हमारे वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद करने का अवसर मिला। 2027 में भारतीय जनता पार्टी की फिर से प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। भाजपा के कार्यकर्ता 24घण्टे काम करते हैं। न तो हमारे कार्यकर्ता और न ही हमारे नेता पार्ट-टाइम राजनेता हैं, हमारा एक ही उद्देश्य है जनता की सेवा। कार्यकर्ताओं में जिस तरह का जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने का जो दृढ़ संकल्प हर जगह देखने को मिल रहा है, उससे मुझे पूरा भरोसा है कि भाजपा अपने 'मिशन 2027' को सफलतापूर्वक हासिल कर लेगी। बोले,जो राज्य कभी माफिया के लिए बदनाम था, वह सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई के क्षेत्र में युवाओं के नेतृत्व वाली तरक्की के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है, यह है बदलाव की कहानी। आज का उत्तर प्रदेश अपने विकास, एक्सप्रेसवे और प्रगति के नए कीर्तिमानों के लिए जाना जाता है। यहाँ ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें बनाई जा रही हैं। पार्टी जिस मुकाम पर पहुँची है, वह पुराने कार्यकर्ताओं के 40-45 वर्षों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 के 'विकसित भारत' का संकल्प केवल भारतीय जनता पार्टी ही पूरा कर सकती है, समाजवादी पार्टी या कांग्रेस नहीं।

दो मिनट तक कैमरे की नजर से ओझल रहा योगेंद्र, अचानक गिरकर छटपटाता दिखा- इसी समय अवधि पर छिपा है गहरा राज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में होमगार्ड भर्ती के दौरान अभ्यर्थी योगेंद्र दो मिनट तक कैमरे की नजर से ओझल रहा। फिर अचानक गिरकर छटपटाता दिखा। इसी समय अवधि पर गहरा राज छिपा है। राजधानी लखनऊ में होमगार्ड भर्ती के दौरान अभ्यर्थी योगेंद्र सिंह की मौत का रहस्य 2 मिनट 6 सेकंड के उस हिस्से में छिपा हो सकता है, जहां घटनास्थल का कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं है। पुलिस को मिले फुटेज में योगेंद्र दौड़ के दौरान गिरते, दूसरे अभ्यर्थियों की मदद से उठकर आगे जाते और बाद में एक युवक से बहस करते दिख रहे हैं। इसके बाद वह कैमरे की नजर से ओझल हो जाते हैं। 2 मिनट 6 सेकंड बाद वह दूसरे कैमरे में अचानक गिरकर छटपटाते नजर आते हैं। इसी बीच उनके गले में पानी की बोतल कब और कैसे फंसी, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 15 सितंबर को महानगर स्थित 35वीं वाहिनी पीएसी ग्राउंड में भर्ती दौड़ के दौरान सीतापुर के रामकोट मढ़िया रहीमपुर निवासी योगेंद्र गिर गए थे। एक अभ्यर्थी ने उन्हें उठाकर फिनिश लाइन तक पहुंचाया। दूसरे अभ्यर्थी ने भी उन्हें सहारा दिया। इसके बाद योगेंद्र कुछ देर घुटनों के बल चलते दिखाई दिए।

सीसीटीवी में सुबह 11~22~18 बजे वह स्टैंड में दिखाई देते हैं, जहां एक अभ्यर्थी से उनकी बहस होती है। इसके बाद कैमरे की कवरेज खत्म हो जाती है। अगली फुटेज 11~24~24 बजे की है। इसमें योगेंद्र कुछ अभ्यर्थियों के बीच चलते हुए अचानक गिरकर छटपटाते दिखाई देते हैं।

दोनों कैमरों की कवरेज के बीच का 2 मिनट 6 सेकंड का हिस्सा ऐसा स्थान है, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था। यानी इस अवधि में योगेंद्र के साथ क्या हुआ, इसका प्रत्यक्ष वीडियो साक्ष्य पुलिस के पास नहीं है। जांच के लिहाज से यही हिस्सा अहम है, क्योंकि इसी दौरान वह स्टैंड से निकलकर उस जगह पहुंचे, जहां अगले कैमरे में वह गिरते दिखाई दिए।

भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय में दिया गया था सीपीआर एसीपी महानगर अंकित वर्मा ने बताया कि योगेंद्र को अचेत अवस्था में भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। वहां सीपीआर दिया गया और बलरामपुर अस्पताल रेफर किया गया लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम में शरीर पर 12 चोटें मिलीं, जिन्हें रिपोर्ट में घिसटने से लगी चोट बताया गया है। कोई चोट मौत का कारण नहीं पाई गई। एसीपी के मुताबिक, मौत हत्या, आत्महत्या या हादसे में से किस वजह से हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर स्टेट मेडिको लीगल सेल से विशेषज्ञ राय मांगी गई है। योगेंद्र के गले से मिली 250 एमएल की प्लास्टिक की बोतल फोरेंसिक जांच के लिए भेजी गई है।

योगेंद्र के भाई कमल किशोर ने हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि योगेंद्र की किसी से रंजिश नहीं थी और घटना डार्क एरिया में हुई होगी। उन्होंने भर्ती दौड़ में चिकित्सकीय व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।

केजीएमयू के ट्रॉमा प्रभारी डॉ. प्रेमराज सिंह ने मामले को जटिल बताते हुए गहन जांच की जरूरत बताई है। उनके अनुसार, सामान्य परिस्थितियों में गले में इतनी बड़ी बोतल पहुंचना असामान्य है और यह पहलू बाहरी बल की संभावना की जांच को जरूरी बनाता है।

हालांकि, मौत की वास्तविक वजह विशेषज्ञ जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

अखिलेश का दावा, एसआईआर पर चुनाव आयोग में ही मतभेद, बताया- लोकतंत्र के लिए घातक

संवाददाता

लखनऊ । चुनावी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग के भीतर सामने आए मतभेद ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। मीडिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और प्रक्रियाओं पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों आयुक्तों ने कुछ फैसलों और आदेशों को अपनी जानकारी के बिना लिए जाने पर सवाल उठाए हैं। इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए और सर्वोच्च न्यायालय से मामले में स्वत~ संज्ञान लेने की अपील की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %%ये एक बेहद गंभीर समाचार है कि पिछले 10 महीनों में 2 चुनाव आयुक्तों ने निर्वाचन आयोग के गलत निर्णयों पर 14 बार अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। इसका सीधा मतलब ये है कि सभी चुनाव आयुक्त अपना सही काम नहीं कर पा रहे हैं। एक स्वतंत्र निकाय के सदस्यों को अगर न्यायपूर्ण कार्य करने की स्वतंत्रता नहीं है या उनकी कोई सुनवाई नहीं है तो ये लोकतंत्र के लिए बेहद घातक और खतरनाक हालात हैं। कुछ लोगों द्वारा सत्ता की कठपुतली बनकर लोकतंत्र को धोखा देना घोर सांविधानिक अपराध है। ये लोकतंत्र को मिटाने के किसी षड्यंत्र से कम नहीं है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय स्वत~ संज्ञान ले।

ज्ञात हो कि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले करीब 10 महीनों के दौरान तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग के भीतर ही एसआईआर से जुड़े कई अहम फैसलों और प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठते रहे। ये आपत्तियां आयोग के दो चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से दर्ज कराई गईं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की देशव्यापी प्रक्रिया तीनों चुनाव आयुक्तों की निगरानी में चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर आयोग के कुछ फैसलों और आदेशों पर औपचारिक रूप से आपत्ति दर्ज कराई। इनमें एक ही दिन चार बार आपत्ति दर्ज किए जाने का भी उल्लेख है। दोनों चुनाव आयुक्तों का कहना था कि संबंधित फैसले या आदेश उनकी जानकारी अथवा सहमति के बिना लिए या जारी किए गए।

इन आपत्तियों का दायरा निर्वाचन आयोग के उन महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़ा है, जिनका सीधा संबंध मतदाता के अधिकार और मतदाता सूची की

सपा जाति और मुस्लिम तुष्टिकरण पर काम करने वाली पार्टी, कभी स्वीकार नहीं करेंगे उत्तर प्रदेश के लोग : ब्रजेश पाठक

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव की रथ यात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे। ये जाति और मुस्लिम तुष्टिकरण पर काम करने वाली पार्टी है। सपा प्रमुख की %पीडीए रथयात्रा% पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, ÷अखिलेश यादव ने बयान दिया कि हमारा रथ तेल लेने गया है। आप जानते हैं कि जब तेल लेने कोई जाता है तो क्या होता है। यह उन्हीं का बयान है, मेरा नहीं है। यहां जो कहा जाता है कि %गाड़ी तेल लेने गई%, आप इसका मतलब समझ सकते हैं।÷ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच घमासान पर उन्होंने कहा, ÷ये सत्ता के लोलुप लोगों का समूह है, कुर्सी की भूख है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की जनता के लिए और प्रतिबद्धता के रूप में काम करने के लिए एक समर्पित लोगों व कार्यकर्ताओं का समूह है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहा है।÷

उन्होंने कहा कि 2017 के बाद और उससे पहले के समाजवादी पार्टी के कार्यकाल की तुलना की जा सकती है। पहले टूटी सड़कें थीं और बिजली गुल रहती थी। पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश में %कट्टा संस्कृति% दी थी। अपराधी, माफिया और गुंडे सत्ता पर हावी थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे। ये जाति और मुस्लिम तुष्टिकरण पर काम करने वाली पार्टी है। वोटबैंक की राजनीति करने वाली पार्टी और भारतीय जनता पार्टी जन-जन की पार्टी है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। सड़क, पानी, बिजली, स्कूल और अस्पताल नंबर एक पर हैं। प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ी है। सबसे बड़ी बात है कि जीडीपी में बड़ी वृद्धि हुई है। लोगों को यह मानना है कि प्रदेश अब देश के ग्रोथ इंजन के रूप में काम कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा की यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों पर कहा, ÷भारतीय जनता पार्टी चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहती है और इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी और आप देखेंगे रिजल्ट शत-प्रतिशत आएगा।÷

वहीं, अखिलेश यादव की रथयात्रा को लेकर आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र %दयालु% ने कहा, ÷मैंने कहा कोई यात्रा निकाल लें, किसके बीच वो जाएंगे? जनता के बीच में जाएंगे। जनता उनकी जवाबदेही ही तय करेगी। जनता उनसे सवाल पूछेगी कि एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह उनके सीमित लोग हैं, जो उनके आगे-पीछे घूमते रहते हैं। सड़कों पर वही दिखते हैं। समाज नहीं जुड़ेगा और आने वाले दिनों में पता चलेगा कि आपका हश्र क्या होता है।÷

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र %दयालु% बुधवार को 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित बाइक रैली में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, ÷आज आयुर्वेदिक दिवस है और ऐसे दिन पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुर्वेदिक दिवस मनाया जा रहा है। मैं पूरे प्रदेश वासियों को बहुत-बहुत बधाइयां, शुभकामनाएं देता हूं। हमारे दैनिक जीवन में, मानव शरीर में कभी-कभी कोई दिक्कतें आती हैं, तो हमें आयुर्वेद पर ही प्राथमिक रूप से जाना चाहिए। जैसे-जैसे हम अंग्रेजी दवाओं की तरफ जा रहे हैं, हमारे शरीर में अन्य विकृतियां पैदा हो रही हैं।÷

आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र %दयालु% ने कहा, ÷आज आयुर्वेद दिवस है, उसकी ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं उत्तर प्रदेश के निवासियों को दे रहा हूं।÷

नेताजी के दोनों हाथों में लड्डू की कहानी, साथ ही आफत में माननीय और अधर में लटकी टीम के किस्से

लखनऊ। यूपी के राजनीतिक गलियारे और प्रशासन में तमाम ऐसे किस्से हैं, जो हैं तो उनके अंदरखाने के... लेकिन, चाहे-अनचाहे बाहर आ ही जाते हैं। ऐसे किस्सों को आप अमर उजाला के ÷सुना है क्या÷ सीरीज में पढ़ सकते हैं। यूपी के राजनीतिक गलियारे और प्रशासनिक गलियों में आज तीन किस्से काफी चर्चा में रहे। चाहे-अनचाहे आखिर ये बाहर आ ही जाते हैं। इन्हें रोकने की हर कोशिश नाकाम होती है। आज की कड़ी में %नेताजी के दोनों हाथों में लड्डू% की कहानी। इसके अलावा %आफत में माननीय% और %अधर में लटकी टीम% के किस्से भी चर्चा में रहे। आगे पढ़ें, नई कानाफूसी...

प्रदेश में शिक्षक नेताओं के चुनाव की डुगडुगी बज गई है। इसमें शिक्षकों के एक नेताजी के दोनों हाथ में लड्डू दिख रहे हैं। दरअसल, नेताजी खुद अपना शिक्षक संघ छोड़कर सत्ताधारी दल से हाथ मिलाने को तैयार हैं। इसके लिए पूरी फील्डिंग भी हो चुकी है। इसके बाद भी उनका शिक्षक संघ उनके समर्थन में है। चर्चा तो यहां तक है कि उनकी सीट के संबंधित जिलों ने इस बारे में लिखत-पढ़त में नेताजी के समर्थन की बात तक कह दी है। इससे नेताजी गदगद हैं क्योंकि उनके दोनों हाथों में लड्डू हैं। आजकल राजधानी के पास वाली औद्योगिक नगरी का सियासी पारा गरम है। देश के किसी सबसे पिछड़े इलाके से भी बदतर सड़कें, जाम और गड्ढों ने उन लोगों को भी दुश्मन बना दिया है जो सोते-जागते पार्टी का नाम जपते थे। सत्तारूढ़ दल के तीन माननीयों की हार का सट्टा इस पर चल रहा है कि कौन कितने वोटों से हार का रिकार्ड बनाएगा। भनक पाकर एक माननीय सोशल मीडिया पर मुस्तैद हो गए हैं तो दूसरे का दिल्ली आने-जाने का खर्च बढ़ गया है। जापान पैरा एशियाई खेलों के लिए तमाम खेलों में देश की टीमों की घोषणा हो चुकी है लेकिन सबसे ज्यादा पदक की उम्मीद वाले खेल में टीम का चयन अभी लटका है। तीन खिलाड़ी टीम में जगह पाने को लेकर कोर्ट से गुहार कर चुके हैं। लिहाजा मंत्रालय ने भी अपने हाथ खींच लिए। मामला उलटा न हो जाए, इस डर से दल को मंजूरी नहीं दी। हालांकि, व्हाट्सएप ग्रुप में खिलाड़ियों की किट के साइज फाइनल हो गए।

सम्पादकीय

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-देखभाल का मतलब सिर्फ़ बीमारी का इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।

11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, ÷सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद÷ और ÷एक स्वास्थ्य, एक भविष्य÷ का विज़न इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।

आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत ज़ोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज़्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ़ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य ज़रूरतों को पूरा करते हों।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मज़बूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

स्वास्थ्य देखभाल को असल में मरीज़ की ज़रूरतों पर केंद्रित होना चाहिए। जहां उपचार उपयुक्त और साक्ष्य समर्थित हो, वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियाँ एक-दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज़्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं। भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजनों ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के नज़रिए को दुनिया भर में कैसा समर्थन मिल सकता है। आयुर्वेद दिवस ने भारत की स्वास्थ्य परंपराओं के लिए एक वैश्विक अवसर का निर्माण किया है और आयुर्वेद तेज़ी से कल्याण, रोकथाम और सतत स्वास्थ्य सेवा पर होने वाली अंतरराष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बन रहा है।

इस बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ एक उतनी ही महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी आती है। आयुर्वेद को विश्वसनीय शोध, नैदानिक सबूतों, मजबूत गुणवत्ता मानकों और ज़िम्मेदार संचार का समर्थन मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आयुष शैक्षिक विभाग, नैदानिक शोध और विनियामक तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत से बाहर आयुर्वेद के लिए एक मज़बूत इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ़ इसकी वैश्विक पहुँच का विस्तार करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि इस विकास के साथ भरोसा और वैज्ञानिक विश्वसनीयता भी जुड़ी हो।

÷एक स्वास्थ्य, एक भविष्य÷ का विज़न हमें अस्पतालों और दवाओं से आगे ले जाता है। एक स्वस्थ भविष्य हमारे पर्यावरण, हमारे खान-पान और उन प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, जिन पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए, औषधीय पौधे स्वास्थ्य सेवा को कृषि, आजीविका और जैव विविधता से जोड़ते हैं। उनकी स्थायी खेती से किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही कीमती प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी योगदान मिल सकता है।

प्रौद्योगिकी भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। आज भारत के पास अपने व्यापक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक शोध क्षमताओं, डिजिटल तकनीक, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते उपायों के साथ जोड़ने का मौका है। यह संयोजन शोधकर्ताओं को पारंपरिक तरीकों का ज़्यादा सटीकता से अध्ययन करने और नवाचार के नए अवसरों को सामने लाने में मदद कर सकता है। फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लोगों के जीवन में आना चाहिए। आयुर्वेद दिवस को केवल साल में एक बार मनाया जाने वाला आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए।

कंपनियों के लिए नई चुनौती

रूटो की आम छवि अमेरिका समर्थक की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है।

बढ़ते राजनीतिक विरोध की चुनौती झेल रहे केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो का भारतीय कंपनी- टाटा केमिकल्स मगाडी को देश से निकालने का फैसला विवादास्पद है। समझा जाता है कि केन्या में विदेशी निवेशकों के प्रति फैल रही भावना को शांत करने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। बहरहाल, यह निर्णय टाटा ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए तगड़ा झटका है। इससे विदेशों में निवेश कर रही हर भारतीय कंपनी को उचित सबक लेना चाहिए। केन्या के स्थानीय समुदायों में टाटा कंपनी के खिलाफ लंबे समय से असंतोष पनप रहा था। शिकायत थी कि लेक मगाडी के समृद्ध सोडा ऐश संसाधनों का इस्तेमाल तो खूब हुआ, लेकिन बुनियादी ढांचे या रोजगार के रूप में उस क्षेत्र को कोई लाभ नहीं हुआ। अब रूटो ने वादा किया है कि वे वहां ऐसी विदेशी कंपनी को ठेका देंगे, तो स्थानीय विकास के लिए भी निवेश करे।

चर्चा है कि ये ठेके चीनी कंपनियों को दिए जाएंगे। रूटो की आम छवि अमेरिका समर्थक नेता की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है। जिस ढंग से टाटा कंपनी को निकालने का फैसला हुआ, वैसे कदमों से सामान्यत= सभी विदेशी निवेशकों में नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन चीनी कंपनियां अक्सर जोखिम उठाते हुए ऐसे हालात का लाभ उठाने की कोशिश करती हैं।

साथ ही इस घटना ने उजागर किया है कि अफ्रीका में आई नई जन चेतना के बीच वहां कार्यरत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए केवल कानून का पालन ही काफी नहीं रह गया है। बल्कि अब चुनौती स्थानीय समुदायों को संतुष्ट रखते हुए अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की है। इस सिलसिले में पर्यावरण संरक्षण एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा बन कर उभरा है। गुजरे डेढ़ दशक में अडानी ग्रुप, रिलायंस, जीएमआर, जिंदल, एस्सार आदि जैसी भारतीय कंपनियों को या तो कुछ देशों से निकाला गया है, या वहां उनके साथ हुए करार बाद में रद्द कर दिए गए। ऐसी घटनाओं से देश की छवि बिगड़ती है। भारतीय कंपनियों को इस बात ख्याल रखना चाहिए।

सत्य की खोज से सामाजिक समानता तक 153 साल बाद भी जारी है संघर्ष

पूर्व प्रधान इनकम टैक्स कमिश्नर सुवचन राम, बहुजन हितों के लिए लगातार मुखर आवाज हरियाणा के कुरुक्षेत्र से पूर्व सांसद राजकुमार सैनी, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार स्वामी प्रसाद मौर्य सहित तमाम बुद्धिजीवी शामिल हुए।इस कार्यक्रम के केंद्र में एक बात पर सभी ने जोर दिया कि बहुजन राजनीति, और बच्चों की शिक्षा और बहुजन समाज की सामाजिक चेतना को और अधिक मजबूत कैसे बनाया जाय और बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम जी के जाति तोड़ो समाज जोड़ो के विचार को कैसे आत्मसात किया जा सके। इन विषयों पर न केवल चर्चा की गई बल्कि इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आने वाली कठिनाइयों को कैसे कम किया जा सके इसका भी खाका खींचने का प्रयास भी वक्ताओं ने किया।

लखनऊ में सत्यशोधक समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन ने फुले से कांशीराम तक चली सामाजिक चेतना को फिर जगाया, लेकिन सवाल वही–क्या शिक्षा, समानता और जातिविहीन समाज का सपना आज भी हमारी मंजिल बना हुआ है?

14 सितंबर 2026 को सत्य शोधक समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी बाजपेयी साइंटिफ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया विदित हो कि यह वही सत्य शोधक समाज है जिसकी स्थापना 153 वर्ष पूर्व महात्मा ज्योतिबा फुले ने 24 सितंबर 1873 को की थी। इस आयोजन की तिथि 24 सितंबर ही रखी गई थी परंतु इस पर कार्यक्रम के आयोजक भंते सुमित रत्न महाथेरा का कहना था कि स्थान की व्यस्तता के कारण यह कार्यक्रम तिथि से पूर्व ही आयोजित करा लिया गया। कार्यक्रम की गंभीरता और महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस कार्यक्रम में न केवल देश के 27 राज्यों से बहुजन विचारधारा के लोग शामिल हुए बल्कि पड़ोसी देश नेपाल के सांसद
के साथ नेपाली संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य भी शामिल हुए इस कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख सचिव हरियाणा तथा पूर्व कुलपति कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा डॉ आर आर फुलिया , फिल्म अभिनेता एवं वर्तमान सांसद डॉ अमोल कोल्हे पुणे महाराष्ट्र ,
पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संविधान सभा के सदस्य नेपाल सरकार ,तथागत भगवान बुद्ध के वंशज
डॉ केशवमान शाक्य,
पूर्व मुख्य न्यायाधीश मध्य प्रदेश सुरेश कुमार कैत,
कांग्रेस ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल जयहिंद,
पूर्व डी आई जी उत्तर प्रदेश पुलिस हरीश कुमार, बाबा साहब डॉ अंबेडकर के वंशज डॉ भीमराव यशवंत राव अंबेडकर,वर्तमान सांसद तथागत भगवान बुद्ध के वंशज डॉ कुलभक्त शाक्य,
मध्य प्रदेश में बसपा के सांसद सुखलाल कुशवाहा के पुत्र विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा

पूर्व प्रधान इनकम टैक्स कमिश्नर सुवचन राम,
बहुजन हितों के लिए लगातार मुखर आवाज हरियाणा के कुरुक्षेत्र से पूर्व सांसद राजकुमार सैनी, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार स्वामी प्रसाद मौर्य सहित तमाम बुद्धिजीवी शामिल हुए ।इस कार्यक्रम के केंद्र में एक बात पर सभी ने जोर दिया कि बहुजन राजनीति, और बच्चों की शिक्षा और बहुजन समाज की सामाजिक चेतना को और अधिक मजबूत कैसे बनाया जाय और बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम जी के जाति तोड़ो समाज जोड़ो के विचार को कैसे आत्मसात किया जा सके। इन विषयों पर न केवल चर्चा की गई बल्कि इन उदेश्यों को पूरा करने के लिए आने वाली कठिनाइयों को कैसे कम किया जा सके इसका भी खाका खींचने का प्रयास भी वक्ताओं ने किया।निश्चित ही इस तरह के आयोजन शून्य होती बहुजन चेतना में ऊर्जा भरने का काम अवश्य कर गए । और जैसा कि बसपा संस्थापक कांशीराम के समय से ही कार्यक्रम स्थल पर बहुजन साहित्य झंडे और महापुरुषों की तस्वीरें भी इस आयोजन में आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम में आए लोगों ने बहुजन साहित्य की खरीदारी भी खूब की।

परंतु यह भी सबसे महत्वपूर्ण है कि इतने लंबे समय बाद भी महात्मा ज्योतिबा फुले, और देश में महिला शिक्षा की सबसे बड़ी पैरोकार माता सावित्री बाई फुले के विचारों उनके संघर्ष और समाज के लिए किए गए उनके योगदान की प्रासंगिता यह दर्शाती है कि बहुजन समाज अभी अपनी शैक्षिक,सामाजिक और राजनीतिक उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं है वह अभी और लंबी यात्रा करने को तैयार है अब उसके एजेंडे में बहुजन समाज के अन्दर का वह समाज हैं जहां तक शिक्षा, समानता और जाति विहीन समाज का प्रकाश अभी तक नहीं पहुंच सका है। कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने जहां भाजपा शासित राज्यों में बहुजन समाज की अनदेखी का जिक्र किया वहीं पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार में लिए गए फैसलों पर भी सवाल उठाने से नहीं चुके। चूंकि यह कार्यक्रम ही किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित था और बसपा सरकार में इस विश्वविद्यालय का नाम छत्रपति शाहू जी महाराज के नाम पर किया गया था वहीं कई वक्ताओं ने वर्तमान अमरोहा जिले का जिक्र भी किया जिसका नाम बसपा सरकार में महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर किया गया था । कहना गलत न होगा कि पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार ने जिन महापुरुषों के नाम पर बने जिलों शहरों स्मारकों अस्पताओं योजनाओं संस्थानों के नाम बदले थे बहुजन समाज का बड़ा हिस्सा उन सभी महापुरुषों को समाज के सम्मान और गौरव से जोड़कर देखता है। अपने संबोधन में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता और संविधान शिल्पी बाबा साहब के वंशज यशवंत राव अम्बेडकर ने इस बात पर जोर देकर कहां की जो करवा बहुजन समाज में जन्मे संतो गुरुओं और महापुरुषों ने शुरू किया था वह महात्मा ज्योतिबा फुले परम् पूज्य बोधिसत्व बाबा साहब से होता हुआ मान्यवर कांशीराम जी तक अनवरत चलता रहा है यह करवा अभी और आगे तक चलता रहे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदार न केवल हम सबकी है बल्कि आने वाली पीढ़ी भी इस जिम्मेदारी से खुद को अलग न करे यह भी प्रयास किए जाने की जरूरत है । ज्ञान हो कि 24 सितंबर 1873 को महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसकी स्थापना की थी जिसका उद्देश्य केवल संगठन की स्थापना नहीं बल्कि उस विचार को आत्मसात करना था जिसमें उस समय की सामाजिक व्यवस्था को चुनौती जहां जन्म के आधार पर मनुष्य की सामाजिक स्थिति निर्धारित होती थी ।महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक सुधारों को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखा। बल्कि शिक्षा, महिला मुक्ति,सामाजिक समानता,और अन्नदाता किसानों के सवालों को अपने सार्वजनिक जीवन के केंद्र में रखा। महात्मा ज्योतिबा फुले मानते थे कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का साधन नहीं है।यह किसी व्यक्ति को अधिकारों की समझ अन्याय पर सवाल उठाने की ताकत और निर्णय लेने की क्षमता देती है। यही कारण था कि उन्होंने वंचित वर्गों और लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया। माता सावित्री बाई फुले के साथ उस समय जो उन्होंने शिक्षा के लिए किया वह असाधारण था । आज निश्चित ही समानता के अवसरों के साथ हमारे पास शिक्षा ग्रहण करने के सभी संसाधन मौजूद है लेकिन जो आज है उसके लिए प्रयास और ऐसी कल्पना महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्री बाई फुले ने अपने समय में की होगी ।परंतु कहते हैं कि प्रगतिशील सोच यही होती है कि हम हमेशा यह माने कि सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है।शिक्षा से रोजगार तक पहुंच,समान अवसर,बाल विवाह,महिलाओं की सुरक्षा और निर्णय लेने में उनकी सहभागिता अब भी महत्वपूर्ण है।इसलिए महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्री बाई फुले का संघर्ष हमें याद दिलाता रहेगा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल महिलाओं के लिए अच्छी-अच्छी योजनाएं बनाने से नहीं बल्कि उन्हें ज्ञान,अवसर, स्वतंत्रता,और निर्णय लेनी की समान क्षमता देना होगा। फुले जी की दूसरी लड़ाई जातीय असमानता से थी वह हमेशा जन्म के आधार पर ऊंच नीचे का विरोध करते थे और उन्होंने हमेशा यही प्रयास किया कि भाईचारा बढ़े और जातीय भेदभाव की दीवार टूटे। उनके द्वारा लिखी किताब गुलामगिरी भी शायद इन्हीं सुधारों की अपेक्षा करती है। आज हमारा संविधान समानता का मूल अधिकार देश के हर नागरिक को प्रदान करता है। कहना गलत न होगा कि हम सामाजिक समानता के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में जहां तक पहुंच सके हैं उनमें संविधान के साथ महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे अनगिनत महापुरुषों का बड़ा संघर्ष भी शामिल है।यहाँ यह कहना भी उचित नहीं होगा कि वह केवल सामाजिक समानता और शिक्षा के पैरोकार थे बल्कि उन्होंने किसानों की समस्याओं को सामाजिक न्याय के प्रश्न से जोड़ा अपनी किताब किसान का कोड़ा में उन्होंने किसानों की आर्थिक स्थिति और उनके शोषण पर सवाल उठाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि आज कृषि का स्वरूप बदल चुका है ।नई तकनीक,बाजार की उपलब्धता और कृषि नीतियों में परिवर्तन भी होते रहे हैं लेकिन फिर भी किसान की आय,उत्पादन लागत, ऋण,बाजार, सिंचाई और प्राकृतिक आपदाओं जैसे सवाल आज भी बने हुए हैं ।यदि एक किसान की दृष्टि से देखें तो आज भी शहर की चमक के आगे किसान के गांव की रंगता फीकी ही नजर आती है। यदि फुले जी के विचारों से समझे तो आज भी कई सवाल हैं जिनका उत्तर शायद ही मिले परंतु प्रश्नों की सूची समय के साथ बड़ी होती जाएगी।

क्या हर एक बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है?

क्या पिता की आर्थिक स्थिति किसी बच्चे के भविष्य की सीमा तय कर रही है?

क्या बेटियों को शिक्षा और रोजगार में समान अवसर मिलने लगे हैं ?

क्या जाति के आधार पर बने पूर्वाग्रह हमारी सामाजिक सोच से समाप्त हुए है?

क्या किसान की आवाज नीति निर्माण के केंद्र में अपना पर्याप्त स्थान बना पाई है?

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या हम किसी बात को केवल इसलिए सच मान लेते हैं क्योंकि उसे लंबे समय से दोहराया जा रहा है?

महात्मा ज्योतिबा फुले माता सावित्री बाई फुले और सत्य शोधक समाज के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा इसी में परिलक्षित होगी कि आयोजन से इतर किसी कक्षा के उस कमरे में जहां शिक्षा सभी के लिए समान हो वह चाहे गरीब का बच्चा हो या अमीर का ।जहां बेटी को भी बेटों को समान शिक्षा और अवसर प्रदान किए जाए तथा परिवार और समाज में उनकी भी भूमिका महत्वपूर्ण हो ।उस स्थान पर जहां व्यक्ति का सम्मान उसकी जाति से नहीं बल्कि उसके द्वारा किए गए कार्यों से हो उसकी मानवता वादी सोच से हो और उस लोकतंत्र में मिलेगी जहां नागरिक बिना भय के सवाल पूछ सकें ।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर अधिनायक वाद के खिलाफ थे उनका कहना था कि लोग मेरे विचारों को पढ़कर या सुनकर उसे सच न मान लें बल्कि उसे तर्क की कसौटी पर अवश्य

विविध

आज का राशिफल

मेष राशि = आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे , जिसमें आपको किसी करीबी की सहायता मिलेगी। आज आपकी काम में रुचि बनी रहेगी और रिलैक्स महसूस करने के लिए मनोरंजन संबंधी योजनाएं भी बन सकती हैं। आज आप किसी काम को बहुत ही शांत तरीके से करने की कोशिश करेंगे तो आपको सफलता मिलनी तय है। इस राशि के कारोबारी आज अपने व्यापार में बढ़िया धन लाभ कमायेंगे और आपको बड़ा ऑर्डर भी मिल सकता हैं।
शुभ रंग- सफेद
शुभ अंक- 3

वृष राशि = आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को बहुत ही सावधानीपूर्वक करेंगे तो अच्छा होगा। आज आप अपनी योग्यता और क्षमता से काम को आसानी से कर लेंगे , इससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। अगर घर के रखरखाव संबंधी योजनाएं बन रही हैं, तो वास्तु सम्मत नियमों का भी पालन करना उचित रहेगा। आज आप अपने किसी खास हुनर को निखारने का प्रयास करेंगे। आज आप भविष्य की योजनाओं को लेकर थोड़ा- सा उलझन में रहेंगे लेकिन किसी अनुभवी की सलाह से आपकी उलझन दूर हो जाएगी।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 5

मिथुन राशि = आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप भीड़ से अलग हटकर कुछ नया करने का प्रयास करेंगे , जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपकी रुचि संगीत में रहेगी , आप किसी बड़े प्लेटफॉर्म पर परफॉर्म भी कर सकते हैं। ऑफिस में आपको कुछ नए कामों की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको आप सफलतापूर्वक पूरा भी कर लेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, संतान की तरफ से आपको खुशखबरी मिल सकती है। आज आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा , आपके आत्मबल को मजबूती मिलेगी।
शुभ रंग- लाल
शुभ अंक- 8

कर्क राशि = आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। व्यावसायिक पार्टियों के साथ रिश्ते मधुर बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें और जब तक आपसे सलाह न मांगी जाये तब तक आप चुप रहें , इससे आपका मान-प्रतिष्ठा दोनों ही बने रहेंगे। आज आप मात-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने जा सकते हैं , जहां आपको मानसिक शांति मिलेगी।
शुभ रंग- पीला
शुभ अंक- 6

सिंह राशि = आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यवसाय को विस्तार देने के लिए ऑफिस में मीटिंग कर सकते हैं। आज आपके घर में लंबे समय बाद किसी रिश्तेदार का आगमन होगा , जिससे आपसी गलतफहमियां दूर होंगी। आज बच्चों के साथ उनके क्रियाकलापों में रुचि लेना और सहयोग करना उनके आत्मविश्वास को और अधिक मजबूत बनाएगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा और आप मन लगाकर काम करेंगे। आज आपको राजनीति से जुड़े व्यक्ति से मुलाकात करने का अवसर प्राप्त होगा।
शुभ रंग- आसमानी
शुभ अंक- 7

कन्या राशि = आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज बच्चों की शिक्षा और करियर से संबंधित भी काम हो सकता है। आज बिजनेस में आपको अच्छे ऑर्डर मिल सकते हैं और आज आप सिर्फ अपने काम की क्वालिटी को अधिक बेहतर बनाने में ध्यान देंगे। आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा , जिससे आपका काम आसानी से हो जायेगा। इस राशि के कला और अभिनय में रुचि रखने वाले आज अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लेंगे।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 8

तुला राशि = आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा लेकिन आज खर्च की अधिकता रह सकती है। आज समय का उचित सदुपयोग करेंगे तो आपको लाभ मिलने के योग हैं। आज आप व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने जैसे कार्यों में भी रुचि लेंगे। साथ ही अपनी योग्यता और कार्य क्षमता से मुकाम भी हासिल कर लेंगे। आज आपको नयी नौकरी का ऑफर मिलने की संभावना बन रही है।
शुभ रंग- नारंगी
शुभ अंक- 2

वृश्चिक राशि = आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप दिन की शुरुआत किसी जरूरतमंद की मदद करके करेंगे , जिससे आपको पूरा दिन सकारात्मक परिणाम मिलते ही रहेंगे। आज आप अपनी वाणी पर थोड़ा कंट्रोल रखें अन्यथा किसी को बुरा लग सकता है। आज आप अपने कर्मचारियों का उत्साह वर्धन करेंगें , जिससे वे मन लगाकर और अधिक मेहनत से काम करेंगें। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, किसी मंदिर में थोड़ा समय बिताएंगे , जिससे आपकी मानसिक थकान दूर होगी।
शुभ रंग- नीला
शुभ अंक- 4

धनु राशि = आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में एक नया और कीर्तिमान इतिहास रचकर दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग हैं , जिससे आपकी आय और पद दोनों ही लाभदायक रहेंगे। आज दांपत्य जीवन में एक दूसरे के प्रति सम्मानजनक भावनाएं रहेंगी और घर में सुकून भरा और खुशनुमा माहौल रहेगा। आज भावुकता में लिया गया निर्णय गलत साबित हो सकता है, आज किसी पर भी ज्यादा विश्वास रखना उचित नहीं है।
शुभ रंग- हरा
शुभ अंक- 1

मकर राशि = आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप ऑफिशियल काम के साथ-साथ अपने निजी कार्यों को भी समय देंगे. जिससे आपको शारीरिक थकान का अहसास हो सकता है। आज राजनीतिक और अनुभवी व्यक्ति की सलाह और मदद आपके व्यवसाय को नई दिशा देगी। आज आपको किसी को दिया धन वापस मिलेगा , जिसका उपयोग आप बिजनेस में करेंगे तो फायदा होगा। इस राशि के लवमेट आज कुछ समय घूमने-फिरने में बितायेंगे और अपने रिश्ते को लेकर पेरेंट्स से बात भी कर सकते हैं।
शुभ रंग- मैरुन
शुभ अंक- 9

कुंभ राशि = आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपनी योजनाओं को प्रभावशील बनाने के लिए कुछ ठोस और जरूरी कदम उठाएंगे। आज अचानक ही आपको कहीं से सहयोग और उचित सलाह भी हासिल होगी। इस राशि की महिलाएं आज किसी काम की शुरुआत कर सकती हैं , जिसमें उन्हें जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आज कार्यक्षेत्र में ज्यादा हस्तक्षेप करना उचित नहीं है, इससे सहयोगी और कर्मचारियों की कार्य क्षमता प्रभावित हो सकती हैं। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं , उससे मिलकर आपको बहुत खुशी होगी।
शुभ रंग- गोल्डन
शुभ अंक- 7

मीन राशि = आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, इससे आपके कार्य सफल होंगे। आज आपके परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा। आज आप व्यवसाय में मामूली परिवर्तन करेंगे , जिससे काम की गुणवत्ता अच्छी बनेगी। इस राशी के छात्र आज किसी विषय को बारीकी से समझने के लिए अपने सीनियर की मदद ले सकतें हैं। आज आपको जीवनसाथी से उपहार की प्राप्ति होगी , जिसे पाकर आपको बेहद खुशी होगी।

जब हुनर को मंच और अनुभव को अवसर मिलता है, तब बदलता है भविष्य

एनएसटीआई से मिलेगी कौशल को नई पहचान, 45 वर्ष की आयु सीमा से अनुभव को लाभ-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अवसरों का विस्तार एल.डी. मानिकपुरी छत्तीसगढ़ की पहचान लंबे समय तक %धान के कटोरे' के रूप में रही है। खेतों में लहलहाती फसलें प्रदेश की समृद्धि की कहानी कहती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ छत्तीसगढ़ ने विकास की अपनी यात्रा में नए आयाम जोड़े हैं। अब कृषि के साथ उद्योग, तकनीक के साथ कौशल और रोजगार के साथ उद्यमिता भी प्रदेश की नई पहचान बन रही है। इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत प्रदेश के युवा और अनुभवी मानव संसाधन हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद के हालिया निर्णय इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं। एक ओर नवा रायपुर अटल नगर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) की स्थापना होने से युवाओं को आधुनिक कौशल का मंच मिलेगा, वहीं दूसरी ओर विभिन्न शासकीय एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत वर्गों के लिए अधिकतम आयु सीमा 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष किया जाना अनुभव और क्षमता को नए अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय है। सपनों को डिग्री के साथ हुनर भी चाहिए

आज का युवा केवल शिक्षा नहीं, रोजगारपरक कौशल चाहता है। उद्योगों की बदलती जरूरतों के बीच ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्व बढ़ गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ग्राम तेंदुवा में एनएसटीआई की स्थापना के लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय को 10 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाले इस संस्थान में आधुनिक शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्रावास सुविधाएं होंगी। यहां दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों में हर वर्ष करीब एक हजार तथा अल्पकालीन कार्यक्रमों में लगभग तीन हजार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। हजारों युवाओं के सपनों से जुड़ा अवसर है। इससे कोई तकनीकी कौशल हासिल करेगा, कोई उद्योग से जुड़ेगा, तो कोई अपना उद्यम शुरू कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

कौशल से रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह

एनएसटीआई की स्थापना होने से युवाओं को प्रशिक्षण के साथ बदलती तकनीक और उद्योग की जरूरतों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। आज कौशल केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की क्षमता है। गांव और कस्बे के युवा को भी उद्यमशील बनने का अवसर मिलेगा। एक प्रशिक्षित युवा नौकरी तलाशने वाला बनने के साथ नौकरी देने वाला उद्यमी भी बन सकता है। यही कौशल से उद्यमिता और रोजगार से आत्मनिर्भरता की यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं से अक्सर कहते हैं कि ऐसा कार्य करें जो युवाओं को रोजगार देने वाला बने, ताकि उनकी नई पहचान बन सके।

उम्र बढ़ी तो अवसरों का दायरा भी बढ़ा

अधिकतम आयु सीमा को 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष करने का निर्णय उन लोगों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है, जिनके पास अनुभव, कार्यकुशलता और जिम्मेदारियों का व्यावहारिक ज्ञान है। उम्र बढ़ने के साथ अनुभव बढ़ता है और अनुभव किसी भी व्यवस्था की महत्वपूर्ण पूंजी है। वर्षों तक काम कर चुके लोगों ने व्यवस्था को करीब से समझा है और चुनौतियों का सामना किया है। ऐसे अनुभव का बेहतर उपयोग नई जिम्मेदारियों में किया जाना संस्थाओं को अधिक सक्षम बना सकता है।

युवा ऊर्जा और अनुभवी हाथ साथ चलें

विकास की मजबूत तस्वीर तब बनती है, जब युवा ऊर्जा और अनुभवी सोच साथ आती है। युवा नई तकनीक और नए विचार लाते हैं, जबकि अनुभवी वर्ग व्यावहारिक समझ और परिस्थितियों से निपटने का अनुभव देता है। एनएसटीआई युवाओं के हुनर को मंच देगा, तो आयु सीमा में वृद्धि अनुभवी वर्ग की क्षमता को अवसर। दोनों निर्णय मिलकर प्रदेश की मानव पूंजी को मजबूत करने की दिशा दिखाते हैं।

छत्तीसगढ़ का भविष्य केवल उसकी प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसके लोगों की क्षमता से तय होगा। जब हुनर को मंच, अनुभव को अवसर

धान की सीधी बुवाई से मत्स्य पालन तक, नोडल अधिकारी ने देखी परियोजना की प्रगति

संवाददाता

मऊ। यूपीडास्प-यूपीएग्रीज परियोजना के तहत खरीफ-2026 में संचालित प्रदर्शन और क्लस्टर गतिविधियों की प्रगति का बुधवार को परियोजना नोडल अधिकारी संतोष कुमार सिंह, तकनीकी विशेषज्ञ (अनुश्रवण एवं मूल्यांकन) ने जायजा लिया। उन्होंने बैठक के साथ विभिन्न गांवों में स्थलीय निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया और परियोजना के तहत मिल रहे तकनीकी सहयोग की जानकारी ली।

बैठक में खरीफ सीजन की गतिविधियों की समीक्षा के साथ रबी सीजन के लिए तैयार कार्ययोजना पर चर्चा की गई। नोडल अधिकारी ने सहयोगी संस्था के कार्मिकों से परियोजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विकास खंड कोपागंज के लैरो दोनवार गांव में मत्स्य क्लस्टर का निरीक्षण कर मत्स्य पालक हृदय नारायण सिंह और लालचंद के तालाबों का जायजा लिया। उन्होंने उत्पादन, अपनाई जा रही तकनीक और परियोजना से मिले लाभ की जानकारी ली। इसके बाद रतनपुरा विकास खंड में कृषक लल्लन सिंह के धान के खेत का निरीक्षण किया। नसीराबाद में अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के सहयोग से संचालित सीधी बुवाई वाले धान (डीएसआर) प्रदर्शन को भी देखा। किसानों से तकनीक के प्रयोग, उत्पादन, लाभ और खेती में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक सुझाव दिए। किसानों ने परियोजना के माध्यम से मिल रहे तकनीकी सहयोग और प्रदर्शन गतिविधियों से प्राप्त अनुभव साझा किए। निरीक्षण के दौरान परियोजना प्रबंधक डॉ. विजय कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ उप प्रबंधक कृषि रत्नेश कुमार सिंह, उप प्रबंधक मत्स्य आंचल सिंह, लेखाकार विपिन शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर विशाल सहित कृषि विभाग, आईआरआरआई के वैज्ञानिक, सहयोगी संस्था के विशेषज्ञ और फील्ड स्टाफ मौजूद रहे।

आयुर्वेद दिवस पर गांव-गांव पहुंचा स्वास्थ्य संदेश, शिविरों में हुआ प्रकृति परीक्षण

- आयुर्वेद दिवस पर जिलेभर में स्वास्थ्य शिविर, डीएम ने कराया अपना परीक्षण

संवाददाता मऊ। सेवा संकल्प अभियान एवं आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को जिले के सभी विकास खंडों में स्वास्थ्य शिविर एवं प्रकृति परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण कराया और चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने लोगों का स्वास्थ्य एवं प्रकृति परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। नागरिकों को संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, व्यायाम, पर्याप्त नींद और ऋतु के अनुसार जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए केवल बीमारी का उपचार ही नहीं, बल्कि नियमित दिनचर्या और निवारक स्वास्थ्य देखभाल भी जरूरी है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने शिविर में उपलब्ध सेवाओं का निरीक्षण करते हुए लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के साथ ही उन्हें बीमारी से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नागरिकों से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के अनुसार स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

लोक अदालत में तीन पदों पर भर्ती, 3 अक्टूबर तक आवेदन

संवाददाता मऊ। स्थायी लोक अदालत, मऊ में आशुलिपिक, पेशकार और चपरासी के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि आशुलिपिक एवं पेशकार के पदों पर जिला न्यायालय अथवा कलेक्ट्रेट के सेवानिवृत्त कर्मचारियों में से योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

दोनों पदों पर अधिकतम दो वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर कार्य कराया जाएगा। आशुलिपिक एवं पेशकार को प्रतिमाह 9,000 रुपये, जबकि चपरासी को 7,000 रुपये मानदेय दिया जाएगा। आवेदन करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी की आयु 65 वर्ष से कम होनी चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी शारीरिक रूप से स्वस्थ और कार्य करने में सक्षम होना चाहिए।

इच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में 3 अक्टूबर तक स्वयं अथवा डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर चयन के लिए 5 अक्टूबर को शाम 4ः30 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र में एक किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले में पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश और दबिश की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अभिलेख के अनुसार मामले में किशन पुत्र दिलीप कुमार, निवासी कैथवली, थाना मधुबन, जनपद मऊ को आरोपी बनाया गया है। उसके खिलाफ धारा 137(2), 87 और 352 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार किशोरी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विजय कुमार शुक्ला द्वारा की जा रही है।

आयुर्वेद दिवस पर मझवारा में वृक्षारोपण, योगाभ्यास व स्वास्थ्य शिविर

50 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, औषधीय पौधों के रोपण के

साथ लोगों को बताए स्वस्थ जीवन के गुण

संवाददाता

मझवारा। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मझवारा में 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को वृक्षारोपण, योगाभ्यास एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद आमिर ने की। वहीं जनप्रतिनिधि के रूप में ग्राम प्रधान मझवारा सत्येंद्र कुमार उपस्थित रहे।योग प्रशिक्षक सर्वजीत सिंह एवं श्वेता पांडेय के निर्देशन में उपस्थित लोगों ने योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्हें नियमित योग एवं ध्यान के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग प्रशिक्षकों ने दिनचर्या, ऋतुचर्या तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में करीब 50 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श देने के साथ आवश्यक औषधियां भी वितरित की गईं। शिविर में लोगों को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से स्वस्थ रहने के उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। ग्राम प्रधान सत्येंद्र कुमार एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद आमिर ने ग्रामीणों की मौजूदगी में नीम, एलोवेरा, तुलसी, अर्जुन एवं एरंड सहित विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया। आयोजकों ने बताया कि इन औषधीय पौधों का आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में विशेष महत्व है। इनका रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। आयोजन में मुस्तफा, रामकुमार, शुभम मौर्या एवं सिराज का विशेष सहयोग रहा।

योजनाओं की जानकारी से स्वास्थ्य जांच तक, सेवा संकल्प अभियान में जुटा प्रशासन

संवाददाता

मऊ। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को जिले के सभी विकासखंडों में बहुउद्देशीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभागीय स्टॉलों के जरिए ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवेदन व लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई।

अभियान के साथ आयुर्वेद दिवस पर विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर और प्रकृति परीक्षण कार्यक्रम भी हुए। नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकों ने जरूरी परामर्श दिया। आयुर्वेद चिकित्सकों ने संतुलित आहार, योग, नियमित दिनचर्या और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया। प्राथमिक विद्यालय चिरैयाकोट में रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक हैं।

युवाओं को बताया, रोजगार मांगने के साथ रोजगार दें

नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में क्षमता निर्माण कार्यशाला में युवाओं, इच्छुक उद्यमियों और एमएसएमई से जुड़े लोगों को स्वरोजगार व उद्योग स्थापना की योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य ने किया। सीडीओ विवेक कुमार श्रीवास्तव ने पॉलिटेक्निक, आईटीआई और एक जनपद एक उत्पाद के स्टॉलों का अवलोकन किया।

उद्यमी रवि गुप्ता ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की जानकारी दी। पॉलिटेक्निक छात्रों ने स्मार्ट बस ट्रैकिंग प्रणाली का प्रदर्शन किया। इस दौरान उपायुक्त उद्योग हरेंद्र प्रताप समेत अन्य अधिकारी, उद्यमी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

किसानों की समृद्धि पर सरकार का जोर, कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री के लखनऊ कार्यक्रम का हिंदी भवन में सजीव प्रसारण, पांच किसान हुए सम्मानित

संवाददाता मऊ। लघु एवं सीमांत किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का बुधवार को शुभारंभ किया गया। लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम और संबोधन का हिंदी भवन सभागार में किसानों व गणमान्य नागरिकों के बीच सजीव प्रसारण किया गया।

हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य मुख्य अतिथि रहे। मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि तथा जिला सहकारी बैंक के सभापति अखिलेश तिवारी अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के साथ ही सहकारिता और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। कहा कि योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ कृषि को अधिक लाभकारी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सहकारिता विभाग की योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं के बारे में भी किसानों को जानकारी दी गई।

निर्माणाधीन कस्तूरबा विद्यालय में अलमारियों में घटिया सामग्री मिली, समय-सीमा बीतने के बाद भी अधूरा था काम

संवाददाता

मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने बुधवार को निर्माणाधीन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, रतनपुरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्यों में गुणवत्ता संबंधी कमियां मिलने और निर्धारित समय-सीमा के बाद भी कार्य पूरा न होने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के कमरों में बनाई जा रही अलमारियों में घटिया सामग्री का प्रयोग पाया गया।

इस पर जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने और मानकों के अनुरूप सामग्री का ही प्रयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता को सभी निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा कराने को कहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में लापरवाही, मानकों की अनदेखी या घटिया सामग्री के इस्तेमाल पर संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और गुणवत्ता की जांच कराने के भी निर्देश दिए।

डीएम ने चेतावनी दी कि दोबारा गुणवत्ता में कमी या लापरवाही मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्था और ठेकेदार के खिलाफ और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग अरुण कुमार, सहायक अभियंता समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बंटवारे के विवाद में गांव पहुंचे एसडीएम, मौके पर परखी जमीन की हकीकत

संवाददाता घोसी। तहसील क्षेत्र के इटौरा डोरीपुर गांव में भूमि बंटवारे से जुड़े मुकदमे में बुधवार को एसडीएम अशोक कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 116 के तहत चल रहे रामबिलास बनाम राम भवन वाद में दोनों पक्षों की मौजूदगी में संबंधित भूमि की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया।

मामला पांच नंबरों के बंटवारे से जुड़ा बताया गया है। मुकदमे में बहस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गुणवत्तापूर्ण निर्णय के लिए एसडीएम ने मौके की स्थिति को स्वयं देखा। निरीक्षण के दौरान राजस्व टीम ने संबंधित भूमि की स्थिति, सीमांकन और अभिलेखों से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई।

दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि का स्थलीय निरीक्षण करते हुए एसडीएम ने मौके से जुड़े राजस्व संबंधी बिंदुओं को समझा। साथ ही उपलब्ध अभिलेखों और मौके की स्थिति के बीच तथ्यों का मिलान करने की प्रक्रिया भी की गई।

एसडीएम अशोक कुमार सिंह ने बताया कि रामबिलास बनाम राम भवन प्रकरण में किया गया स्थलीय निरीक्षण राजस्व न्यायालय की प्रक्रिया का हिस्सा है। निरीक्षण में सामने आए तथ्यों और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई करते हुए मामले में निर्णय की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मौके पर हुई प्रशासनिक कार्रवाई से लंबे समय से चल रहे भूमि बंटवारे के विवाद से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सक्षिप्त खबरें...

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, आरोपी की तलाश में दबिश

संवाददाता

मधुबन । थाना मधुबन क्षेत्र में एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) और 87 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मामले में विशाल पुत्र लक्ष्मी प्रसाद, निवासी ग्राम मित्तनपुर, थाना मधुबन, जनपद मऊ को आरोपी बनाया गया है। पुलिस की ओर से आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक दिलीप कुमार पटेल द्वारा की जा रही है।

पहचान छिपाकर दूसरा पासपोर्ट बनवाने का आरोप, मधुबन थाने में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

मधुबन। मधुबन थाना क्षेत्र में पहचान छिपाकर कथित रूप से दूसरा पासपोर्ट बनवाने के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और उनका इस्तेमाल करने सहित पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मामले में अनुज यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी ग्राम महमूद सराय बनकारी, पोस्ट नेमडाढ़, थाना रामपुर, जनपद मऊ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूर्व में पासपोर्ट संख्या एल 132210 बनवाया था, जिसकी वैधता 30 अप्रैल 2026 तक थी। आरोप है कि उक्त पासपोर्ट का नवीनीकरण कराने के बजाय पहचान छिपाकर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 7 जून 2022 को दूसरा पासपोर्ट संख्या वी 8843897 बनवा लिया गया, जिसकी वैधता 6 जून 2032 तक बताई गई है।

इस मामले में मधुबन थाने में मु0अ0सं0 363/2026 के तहत धारा 420, 467, 468, 471 भादवि तथा धारा 12(1) बी पासपोर्ट अधिनियम, 1967 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे की कार्रवाई 22 सितंबर 2026 को सुबह 8ः10 बजे दर्ज की गई।मामले की जांच उपनिरीक्षक रणजीत सिंह को सौंपी गई है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 में पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए जानबूझकर गलत सूचना देने या महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान है। पुलिस के आरोप और एफआईआर में दर्ज तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई हुई है; मामले में आगे की जांच के बाद तथ्य और स्पष्ट होंगे।

नाबालिग समेत दो युवकों से दुष्कर्म का आरोप, वीडियो वायरल करने की शिकायत, आरोपी के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

मधुबन। मधुबन थाना क्षेत्र के दरगाह गांव से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस को दी गई लिखित तहरीर के आधार पर एक व्यक्ति पर दो युवकों को बहला-फुसलाकर बोलेरो से ले जाने और अमिला नहर के पास उनके साथ जबरदस्ती दुराचार करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि घटना का वीडियो भी बनाया गया और बाद में उसे वायरल किया गया। तहरीर के मुताबिक, 18 सितंबर 2026 की सुबह करीब सात बजे दरगाह निवासी दो युवक, जिनमें एक की उम्र करीब 15 वर्ष बताई गई है, को दरगाह निवासी जमालुद्दीन खां पुत्र स्व. अब्दुल रहीम अपनी बोलेरो गाड़ी संख्या क्क32श्वङ्ग8704 में बैठाकर थाना घोसी क्षेत्र के ग्राम गोफा अंतर्गत अमिला नहर के पास ले गया।शिकायतकर्ता का आरोप है कि वहां दोनों युवकों के विरोध के बावजूद उनके साथ जबरदस्ती दुराचार किया गया। तहरीर में यह भी कहा गया है कि घटना के दौरान दूसरे युवक ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में आरोपी द्वारा उक्त वीडियो को वायरल किए जाने का भी आरोप है। मामले में 23 सितंबर 2026 को मधुबन थाने में दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अभिलेख में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) व 87, पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67बी का उल्लेख है। बीएनएस की धारा 137(2) अपहरण से संबंधित है। वहीं आईटी एक्ट की धारा 67बी बच्चों से संबंधित यौन स्पष्ट सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन/प्रसारण आदि से संबंधित है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए विवेचना क्राइम इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह को सौंपी गई है। अब पुलिस की जांच में घटना की परिस्थितियों, वीडियो से जुड़े आरोपों और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जाएगी।

बेरोजगार युवाओं के लिए खुला रोजगार का बड़ा द्वार, 4200 पदों पर होगा चयन

संवाददाता

मऊ। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर सामने आया है। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 26 सितंबर को मुहम्मदाबाद गोहना स्थित संत गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की करीब 15 से 20 टेक्निकल और नॉन टेक्निकल कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। कंपनियों की ओर से करीब 4200 रिक्त पदों पर युवाओं का चयन किया जाएगा।

जिला सेवायोजन अधिकारी अरविन्द पांडेय ने बताया कि रोजगार मिशन के तहत आयोजित यह मेला सुबह 10 बजे से शुरू होगा। विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रिक्तियों के लिए पात्र अभ्यर्थियों का चयन रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार संगम पोर्टल पर

जिलाधिकारी सदर विधायक एवं बीजेपी जिला अध्यक्ष ने किया सूचना एवं संपर्क विभाग की सरकार की कल्याणकारी योजनाओं,परियोजनाओं उपलब्धियों विषयक प्रदर्शनी का फीता काटकर

संवाददाता

उन्नाव । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सूचना एवं संपर्क विभाग उन्नाव द्वारा निराला प्रेक्षाग्रह सभागार में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं परियोजना व उपलब्धियों पर आधारित लगाई गई प्रदर्शनी का सदर विधायक पंकज गुप्ता जिलाधिकारी घनश्याम मीना व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अनुराग अवस्थी ने फीता काट कर शुभारंभ किया । तत्पश्चात विधायक जिलाधिकारी व अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने प्रदर्शनी का एक-एक करके अवलोकन किया और सरकार के विकास के संबंध में किए गए उल्लेखनीय कार्यों परियोजनाओं योजनाओं व उपलब्धियों जिसे प्रदर्शनी में चित्र के माध्यम से दर्शाया गया है अवलोकन कर सराहना किया। तत्पश्चात निराला प्रेक्षा ग्रह सभागार में पहुंचकर दीप प्रज्वलन के साथ कृषि विभाग के मिलेट्स खेती विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक गोष्ठी का विधिवत शुभारंभ किया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि किसान बन्धु प्रदर्शनी के माध्यम से योजनाओं का अवलोकन करते हुए उन योजनाओं का लाभ प्राप्त करें । कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समस्त योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर लाभ देने के साथ मनाया जा रहा है। कहा कि हम मिलेट्स का प्रयोग करके अपने स्वास्थ कोई एक नया आयाम दे सकते हैं । अगर किसान चाहे तो जैविक खेती का प्रयोग कर भी किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। सरकार की जो कल्याणकारी योजना चल रही हैं उन्हें अपने जीवन में प्रयोग कर एक प्रगतिशील किसान बने। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि आज कृषक गोष्ठी में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हम सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की लगाई गयी प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की योजनाओं नीतियों कार्यक्रमों उपलब्धियां को जान रहे हैं। किसान भाई अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य कराएं इससे हमें पता चलेगा हमारे खेत में कौन सी फसल की जा सकती है हमारी मिट्टी में क्या कमी है उस कमी को दूर कर हम मिट्टी का स्वास्थ्य सुधार सके और उसी के अनुसार फसल कर सके । कहा हमे कृषि की नवीन टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर खेती करना चाहिए । साथ हो किसान भाइयों को अधिक से अधिक ऑर्गेनिक खेती करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष अनुराग अवस्थी और नगर पालिका उन्नाव अध्यक्ष श्रीमती श्वेता भानू मिश्रा ने भी उपस्थित किसान बन्धुओं को मिलेट्स की खेती किए जाने और अपने जीवन में प्रयोग करने तथा जैविक खेती का अधिक से अधिक किए जाने के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि रवि चन्द्र प्रकाश जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी भूमि संरक्षण अधिकारी जिला कृषि रक्षा अधिकारी लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में जनपद के किसान बंधु मौजूद रहे।

भारतीय किसान क्रांति यूनियन के प्रदेश महासचिव की अध्यक्षता में किसान सम्मान बैठक हुई संपन्न

संवाददाता उन्नाव। भारतीय किसान क्रान्ति यूनियन किसान क्रान्ति सरकार प्रदेश महासचिव डॉ. बृजेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील बीघापुर अन्तर्गत ग्राम पिथई खेड़ा में किसान सम्मान बैठक आहुत की गई जिसमें एक सैकड़ा किसानों ने प्रतिभाग किया । 80 लोगों ने (महिला व पुरुष) ने संगठन की नीति समझकर सदस्यता ग्रहण की ।ये बैठक सेवानिवृत्त कानूनगो गोविन्द प्रसाद के हाता में सम्पन्न हुई । बैलों से खेती करने वाले, बैलगाड़ी रखने वाले, प्राकृतिक तरीके से खेती करने वाले किसानो को डॉ. सिंह ने माल्यार्पण कर अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । आए हुए किसानों ने बंदरो के आतंक से परेशान गांव के कई लोगों को बंदर बराबर काट रहा है इसको लेकर समस्त ग्राम वासी डरे व सहमे है , बिजली की समस्या,खाद न मिलने की समस्या, इण्डिया मार्का हैण्ड पम्प वर्षो से खराब पड़े हैं, राशन घटतौली , सफाई कर्मी के न आने से नालियां चोक है

पूर्व कुलपति प्रो. अमरिका सिंह का उदयपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत

संवाददाता

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की पूर्व कुलपति प्रो. अमरिका सिंह के उदयपुर पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। एयरपोर्ट पर छात्र नेता गजेंद्र सिंह भाटी, डॉ. राजश्री गांधी, डॉ. मोहित नायक, प्रो. गिरिराज सिंह एवं जोगराज सिंह ने माला पहनाकर और पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। गेस्ट हाउस में कुलदीप सिंह झाला, शक्ति सिंह भाटी सहित अनेक शुभचिंतकों ने भेंट कर प्रो. अमरिका सिंह का अभिनंदन किया। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि प्रो. अमरिका सिंह के कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। उनके उदयपुर आगमन से शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है। प्रो. अमरिका सिंह ने स्वागत के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिवार ने राजमाता श्रीमती विजयराज कुमारी जी मेवाड़ को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

संवाददाता

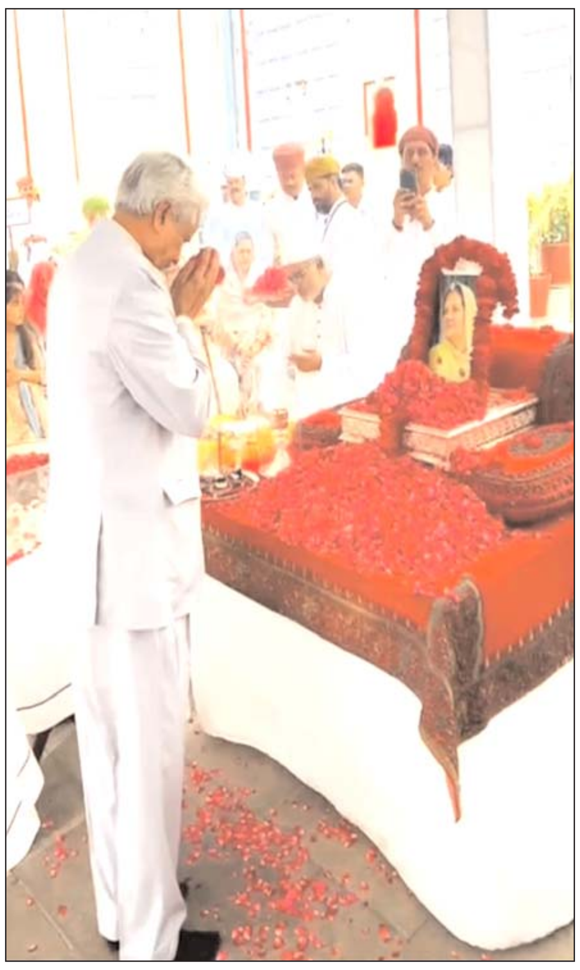

रत्नेश श्रीवास्तव लखनऊ। मेवाड़ राजपरिवार की राजमाता श्रीमती विजयराज कुमारी जी मेवाड़ के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं अपूरणीय है। इस दुःखद अवसर पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति एवं वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. अमेरिका सिंह ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. अमेरिका सिंह ने कहा - ÷श्रीमती विजयराज कुमारी जी मेवाड़ का जाना मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन त्याग, सेवा और भारतीय संस्कृति का प्रतीक था। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।÷ दिनांक 23 सितम्बर को प्रो. अमेरिका सिंह के नेतृत्व में 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिटी पैलेस, उदयपुर पहुँचा और लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ एवं समस्त परिजनों से मिलकर उन्हें इस कठिन घड़ी में साहस और संबल प्रदान किया।

नवागत जिलाधिकारी अशोक कुमार ने ग्रहण किया पदभार, कलेक्ट्रेट परिसर एवं विभिन्न अनुभागों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता हमीरपुर। जनपद हमीरपुर के नवागत जिलाधिकारी श्री अशोक कुमार ने बुधवार को जनपद का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के पश्चात जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर, वन स्टॉप सेंटर, महिला कल्याण विभाग, राजस्व अभिलेखागार (आरआरके), भूलेख एवं कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटल एवं अनुभागों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख-रखाव तथा लंबित पत्रावलियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नवागत जिलाधिकारी वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में शासन एवं प्रशासन के विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। उन्होंने शासन में विभिन्न विभागों में कार्य करने के साथ-साथ गोंडा एवं फिरोजाबाद में मुख्य विकास अधिकारी के रूप में तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अपर जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी सहित विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व अभिलेखागार एवं अन्य पटल के निरीक्षण में पत्रावलियों एवं रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रख-रखाव तथा लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आईजीआरएस एवं जनसुनवाई पटल का अवलोकन करते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। अभिलेखों के रख-रखाव को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी ने इन्वेंट्री एवं रिकॉर्ड्स के ऑनलाइन डिजिटलीकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी नियमित जांच सुनिश्चित करने को भी कहा। इसके उपरांत कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिलाधिकारी ने जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं शासन की

सुंदरकांड पाठ से गूंजा उठा अर्जुन नगर विनायकपुर एवं भक्तिमय शाम, संतों व पत्रकारों का हुआ जोरदार सम्मान

संवाददाता

कानपुर। विनायकपुर के अर्जुन नगर में बुढ़वा मंगल के अवसर पर मंगलवार को भक्तिमय माहौल देखने को मिला। सज्जन कुशवाहा एवं उनकी टीम की ओर से सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना के साथ संतों व पत्रकारों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सज्जन कुशवाहा स्वयं पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजन में जुटे नजर आए कार्यक्रम के दौरान सुंदरकांड पाठ और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं ने पंचमुखी हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। संतों ने पंचमुखी हनुमान जी की महिमा और धार्मिक महत्व पर अपने विचार रखते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन एवं सकारात्मक सोच का संदेश दिया इस अवसर पर संतों और पत्रकारों को सम्मानित कर उनके योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। सम्मान समारोह ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया। कार्यक्रम में आए हुए भक्तों में से विनय प्रकाश मिश्रा वरिष्ठ पत्रकार ने अपने वक्तव्य में कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने तथा अच्छे विचारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है कार्यक्रम की सफलता में सज्जन कुशवाहा की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के सदस्यों ने रचित कश्यप, पिंटू कुशवाहा,सचिन यादव, सोनू कुशवाह,रज्जन सोनकर, शिवकुमार कुशवाहा, राम जी कुणाल,समीर,आयोजन की व्यवस्थाओं को संभालते हुए कार्यक्रम को व्यवस्थित और भव्य बनाने में सक्रिय योगदान दिया। श्रद्धालुओं ने भी आयोजन की सराहना करते हुए आयोजक और उनकी पूरी टीम का उत्साह बढ़ाया।

विकास भवन परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 11वां आयुर्वेद दिवस

हमीरपुर। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशानुसार आज विकास भवन परिसर, कुछेछा, हमीरपुर में ÷स्वस्थ भविष्य के लिये आयुर्वेद (4हृह1द्गस्त्रड्ड द्धश्हृ ड्ड ॥द्गड्डद्यहृद्धद्बद्गहृ ञ्रश्द्धश्हृह्लश्2)÷ विषय पर 11वां आयुर्वेद दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 निरेन्द्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्री कुलदीप निषाद, मुख्य विकास अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह, डी0सी0 मनरेगा, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर एवं भगवान श्री धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद दिवस के उद्देश्य एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए जनसामान्य को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयुष विभाग द्वारा विकास भवन परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों द्वारा जनसामान्य को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में लोगों को स्वास्थ्य संरक्षण एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद एवं योग शिविर का भी आयोजन किया गया। पतंजलि योग समिति के बच्चों द्वारा आकर्षक योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं जन-स्वास्थ्य संरक्षण का संदेश देते हुए विकास भवन परिसर में औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 निरेन्द्र बहादुर सिंह ने आयुर्वेद दिवस के आयोजन में सहयोग के लिए सभी अतिथियों, चिकित्सकों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं पतंजलि योग समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने जनसामान्य से आयुर्वेद एवं योग को स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा उपलब्ध आयुष चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री जलीस खान द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायत छानी में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन*

संवाददाता हमीरपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज 23 सितम्बर, 2026 को लखनऊ स्थित 5, कालिदास मार्ग से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर योजना के ई-पोर्टल के साथ सहकारिता विभाग, उत्तर प्रदेश के 'उर्वरक सेतु मोबाइल ऐप' तथा उत्तर प्रदेश को-ऑपरेटिव डेटाबेस सेंटर के मोबाइल ऐप क्षष्टष्ट का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का जनपद हमीरपुर में भी सजीव प्रसारण किया गया। ग्राम पंचायत छानी स्थित शुभ गेस्ट हाउस, राठ रोड में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने सहभागिता करते हुए लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा। इस अवसर पर विधायक सदर डॉ. मनोज कुमार प्रजापति ने किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की प्रमुख विशेषताओं एवं किसानों के लिए इसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से लघु एवं सीमांत कृषकों को कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों के लिए आवश्यक वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक लिमिटेड की शाखाओं के माध्यम से पात्र किसानों को 06 प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे योजना की पात्रता एवं शर्तों की जानकारी प्राप्त कर इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत लघु एवं सीमांत कृषकों तथा नियमित रूप से ऋण का लेनदेन एवं अदायगी करने वाले पात्र किसानों को लाभान्वित किया जाना है। योजना के तहत कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों सहित पात्र गतिविधियों के लिए दीर्घकालीन ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। योजना की प्रक्रिया को ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाए जाने की व्यवस्था की गई है, जिससे पात्र किसानों को ऋण प्राप्त करने में सुविधा हो सके।

सक्षिप्त खबरें...

महरामऊ में आयोजित भव्य जल विहार व सांस्कृतिक आयोजन में पहुँचे मुख्य अतिथि राष्ट्रसेवक

संवाददाता

उन्नाव। विधानसभा क्षेत्र भगवन्त नगर के महरामऊ में आयोजित भव्य जल विहार एवं सांस्कृतिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह पहुँचे , आयोजन स्थल पर पहुँचने पर आयोजक समिति एवं क्षेत्रीय आम जनमानस द्वारा उनका फूल-मालाओं, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया,कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रसेवक पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जल विहार जैसे उत्सव हमारी सनातन संस्कृति और परम्पराओं के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता, प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को मिटाकर मानवता और राष्ट्रसेवा के भाव के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया आयोजन कमेटी को आर्थिक सहयोग भी दिया इस दौरान मुख्य रूप से नीशू शुक्ला, शिवशंकर जिला पंचायत सदस्य, गौरीशंकर सिंह,इकबाल सिंह, सतेन्द्र सिंह,रज्जन तिवारी,आशीष कुमार, महेंद्र पटेल, रामनरेश पटेल, सत्येंद्र वर्मा, शिवबहादुर लोधी, विनीत सिंह, राहुल यादव, गुरूजी, आदि लोग मौजूद रहें?।

उन्नाव पुलिस ने अवैध रिवाल्वर के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा अवैध रिवाल्वर के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

दिनांक 21.09.2026 को वादी गार्गी शंकर मिश्रा पुत्र स्व0 गंगाधर मिश्रा निवासी 752 सिविल लाईन थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव की तहरीरी सूचना पर थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0 598/2026 धारा 115(2)/352/351(3) बीएनएस बनाम महेन्द्र सिंह पुत्र समरजीत सिंह निवासी मोहारीवाग थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव व 02-अन्य साथी नाम पता अज्ञात पंजीकृत किया गया था । विवेचना के क्रम में वादी मुकदमा का अभिकथन अंकित कर मेडिकल रिपोर्ट का अवलोकन किया गया जिसमे वादी मुकदमा द्वारा अभियुक्त का सही नाम हेमन्त सिंह पुत्र समरजीत सिंह बताया तथा मेडिकल रिपोर्ट मे गंभीर चोट आने पर धारा 118(1) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी । आज दिनांक 22.09.2026 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा उपरोक्त मुकदमा से संबंधित अभियुक्त हेमन्त सिंह पुत्र समरजीत सिंह निवासी मो0 रामनगर न्यू चौड़ाखेर थाना खागा जनपद फतेहपुर हालपता मौहारी बाग त्रिपाठी बिल्डिंग के पीछे सिविल लाइंस थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव उम्र करीब 46 वर्ष को उसके घर से गिरफ्तार कर अभियुक्त से एक अदद रिवाल्वर 32 बोर व 05 अदद जिंदा कारतूस 32 बोर को बरामद किया गया । बरामदगी के आधार पर उक्त अभियोग मे धारा 3/25 ए एक्ट व 118(1) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

लापरवाही या मनोरंजन? हाईवे पर डांस कर जोखिम में डाली जान!

संवाददाता

उन्नाव। सोशल मीडिया पर व्यूज और लाइक्स पाने के लिए लोग किस हद तक जा सकते हैं, इसका एक खतरनाक उदाहरण इस वीडियो में देखने को मिल रहा है। व्यस्त हाईवे पर बीच सड़क में एक लड़की डांस करती नजर आ रही है, जबकि ठीक पीछे से तेज रफ्तार भारी ट्रक गुजर रहा है। हाईवे जैसी तेज रफ्तार सड़कों पर इस तरह रील्स बनाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बेहद खतरनाक है। ड्राइवर का ध्यान भटकने या वाहन का संतुलन बिगड़ने से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है और जान जा सकती है। सोशल मीडिया का बुखार अपनी जगह है, लेकिन सुरक्षा से समझौता कभी मत कीजिए। इंस्टाग्राम पर आरती राठौर 65 के नाम से आईडी बनी हुई है। वीडियो में डांस करती युवती थाना अचलगंज क्षेत्र के अंतर्गत की बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी सेवा का मुख्यमंत्री ने किया शुभारम्भ

संवाददाता

बहराइच । प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा 5, कालीदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी सेवा का शुभारम्भ किया गया। तथा मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के ई-पोर्टल तथा सहकारिता विभाग के उर्वरक सेतु मोबाइल ऐप एवं उ.प्र. को-आपरेटिव डेटाबेस सेंटर के मोबाइल ऐप यूपीसीडीसी की लॉन्चिंग भी की गई। राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का कृषि विज्ञान केन्द्र, बहराइच के सभागार में आयोजित समारोह में सजीव प्रसारण दिखया गया। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना उ.प्र.

सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड (एल.डी.बी) के माध्यम से लघु एवं सीमान्त कृषको के आर्थिक सशक्तीकरण एवं कृषि आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, के सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि विधायक महसी सुरेश्वर सिंह एवं अध्यक्षता सभापति, जिला सहकारी बैंक लि., बहराइच जितेन्द्र त्रिपाठी के द्वारा की गयी। इस अवसर पर उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, सदर विधायिका श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता देवेन्द्र कुमार सिंह, सहकारी समितियों/संस्थाओं के सभापति एवं संचालकगण तथा सहकारिता से जुड़ें कृषक तथा अन्य प्रतिनिधिगण द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा व सुना गया।

कार्यक्रम में योजना की जानकारी देते हुये बताया गया कि मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का मुख्य उद्देश्य लघु एवं सीमान्त कृषको को सुलभ रियायती दर पर दीर्घकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराकर उनकी कृषि उत्पादकता एवं आय में वृद्धि करना है। योजना के अन्तर्गत पात्र कृषकों को रू. छः लाख तक का दीर्घ कालीन ऋण 6 प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जायेगा। समय से ऋण की किश्ते जमा करने वाले पात्र कृषको को राज्य सरकार द्वारा ब्याज अनुदान का लाभ प्राप्त होगा। योजना हेतु उ.प्र. सरकार द्वारा रू. 384.00 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गयी है तथा आगामी पांच वर्षों में लगभग 5.00 लाख कृषकों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना अन्तर्गत कृषि के साथ-साथ कृषि आधारित अन्य गतिविधियों एवं आवश्यक पूंजी गत निवेश हेतु ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी तथा ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिये आनलाइन व्यवस्था पर बल दिया गया है। इसी अवसर पर प्रदेश में भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारम्भ किया गया। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी को-ऑपरेटिव लिमिटेड (एसटीसीएल) द्वारा संचालित भारत का पहला सहकारी-नेतृत्व वाला डिजिटल राईड-हेलिंग प्लेटफार्म है। 'सारथी ही मालिक' की सहकारी भावना के अन्तर्गत चालक सदस्य एवं हित धारक के रूप में इससे जुड़ते है। इस योजना का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराते हुये चालको के आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण, रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। समारोह के दौरान अतिथिगण द्वारा जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, बहराइच की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित कुछ कृषकों को किसान केंडिट कार्ड योजान्तर्गत फसली ऋण का चेक भी उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित सचिवों एवं अध्यक्ष/उपाध्यक्ष से अपने अपने क्षेत्रों में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुये पात्र कृषकों को योजना से जोड़ने में सक्रिय सहयोग करने की अपेक्षा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्बन्धित द्वारा सहकारिता आधारित इन पहलों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग का आश्वासन दिया गया।

रुपईडीहा में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल, दो साथी फरार

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। वाहन चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रुपईडीहा पुलिस की देर रात शातिर अपराधियों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई, जबकि उसके दो साथी अंधेरे और जंगल का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार जंगल में कांबिंग कर रही हैं। पुलिस के अनुसार 22/23 सितंबर की रात प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा पुलिस टीम के साथ आईसीपी मोड़ से पचपोखरी जाने वाले मार्ग पर मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रंजीतबोझा के जंगल में कुछ संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ मौजूद हैं और उन्हें बेचने के उद्देश्य से नेपाल ले जाने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन संदिग्ध पुलिस टीम को दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो आरोपियों ने पुलिस से घिरता देख जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी और जंगल की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा, जबकि उसके दो साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने घायल आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसकी पहचान अब्दुल उर्फ अब्दुल सलाम पुत्र बाबू उर्फ जलील खान निवासी सीतापुरवा सहजना, थाना रुपईडीहा, जनपद बहराइच के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक पिस्टल, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक घायल आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक अभियोग दर्ज हैं। पुलिस ने घायल बदमाश को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं फरार दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें जंगल में लगातार कांबिंग कर रही हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस द्वारा बरामद मोटरसाइकिल और हथियारों के संबंध में जांच की जा रही है

जमीनी विवाद में मारपीट के मामले में 13 अभियुक्त दोषसिद्ध, सभी को दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप जमीनी विवाद को लेकर मारपीट के करीब 25 वर्ष पुराने मामले में दोनों पक्षों के कुल 13 अभियुक्तों को न्यायालय ने दोषसिद्ध करते हुए दंडित किया है। पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट बहराइच श्री सुनील प्रसाद की अदालत ने प्रथम पक्ष के पांच अभियुक्तों को दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास तथा 3500-3500 रुपये अर्थदंड और द्वितीय पक्ष के आठ अभियुक्तों को दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास तथा 3000-3000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार थाना रामगांव क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी, जिसके संबंध में दोनों पक्षों की तहरीर पर वर्ष 2001 में मुकदमे दर्ज किए गए थे। प्रथम पक्ष के विरुद्ध मु0अ0सं0 03/2001 के तहत धारा 147, 148, 149 व 307 भादवि तथा द्वितीय पक्ष के विरुद्ध मु0अ0सं0 03ए/2001 के तहत धारा 147, 148, 149, 504, 506 व 307 भादवि में अभियोग पंजीकृत किया गया था। तत्कालीन विवेचक रामकिशुन ने दोनों मुकदमों में साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान तथा अन्य विवेचनात्मक कार्रवाई पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के आदेश तथा पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों को अधिकतम एवं त्वरित सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में इस मामले में भी प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस के अनुसार प्रभारी थाना रामगांव, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, अभियोजक श्री राजेन्द्र प्रसाद अवस्थी, कोर्ट मोहर्रिर हे0का0 रविन्द्र कुमार व हे0का0 मनोज कुमार तथा थाना पैरोकार का0 कृष्ण कुमार की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप 23 सितंबर 2026 को न्यायालय ने दोनों पक्षों के अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए सजा सुनाई। प्रथम पक्ष के अभियुक्त राजेन्द्र वर्मा पुत्र मंगल, बबाली पुत्र सियाराम, नन्कन पुत्र रामकुमार, चन्द्रशेखर पुत्र पेशकार तथा बाड़े पुत्र कुन्नन निवासीगण गडवा थाना रामगांव को धारा 147 भादवि में एक-एक वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदंड, धारा 148 भादवि में दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास व 2000-2000 रुपये अर्थदंड तथा धारा 149 भादवि में छह-छह माह का सश्रम कारावास व 500-500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। इनमें बड़कन पुत्र रामकुमार की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो चुकी है। वहीं द्वितीय पक्ष के पुतनलाल, बुधराम, शिवप्रसाद, राधेश्याम, रमेश पुत्रगण खुशीराम, शिवकुमार पुत्र मातादीन निवासीगण गढवा थाना रामगांव, परमेश उर्फ रामप्रवेश पुत्र पुत्तन सिंह निवासी धर्मनपुर टेडिया थाना रामगांव तथा बाबूलाल पुत्र बृजनरायन तिवारी निवासी रेहुआ मंसूर थाना रामगांव को धारा 147 भादवि में एक-एक वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदंड तथा धारा 148 भादवि में दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास व 2000-2000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में न्यायालय द्वारा निर्धारित अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुराने एवं चिन्हित अभियोगों में प्रभावी पैरवी कर दोषी अभियुक्तों को न्यायालय से दंडित कराने की कार्रवाई लगातार जारी है।

गोरखपुर-फैज़ाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन का कार्यक्रम जारी, 23 अक्टूबर को होगा मतदान

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैज़ाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण रिक्त होने वाली सीट को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की अधिसूचना 29 सितम्बर 2026 को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है, जबकि नाम-निर्देशनों की संवीक्षा 07 अक्टूबर को होगी। प्रत्याशी 09 अक्टूबर 2026 तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। आयोग के कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक होने पर 23 अक्टूबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। मतदान प्रातः 08 बजे से अपराह्न 04 बजे तक होगा। इसके बाद 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना कराई जाएगी तथा निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 से पूर्व पूर्ण कर ली जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी/सहायक रिटर्निंग आफिसर, गोरखपुर-फैज़ाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में जनपद बहराइच में आदर्श आचार संहिता के सुसंगत प्रावधान लागू हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं सभी संबंधित पक्षों से निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है। निर्वाचन कार्यक्रम जारी होने के साथ ही जिले में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित चुनावी गतिविधियां निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार आगे बढ़ेंगी।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में लागू होगा न्यायालय का अवकाश कैलेंडर

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बहराइच हरेन्द्र प्रसाद द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश

बैकयार्ड भेड़ पालन योजना के लाभार्थियों के चयन को लेकर बैठक सम्पन्न

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। बैकयार्ड भेड़ पालन योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के चयन को लेकर बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की पात्रता की समीक्षा करते हुए पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से लाभार्थियों के चयन की कार्रवाई की गई। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि बैकयार्ड भेड़ पालन योजना के अंतर्गत जनपद से कुल 26 अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जिनकी पात्रता की जांच के बाद 16 अभ्यर्थियों को पात्र पाया गया। पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए जिला सूचना केन्द्र के सहयोग से रैण्डमाइजेशन की प्रक्रिया अपनाई गई। रैण्डमाइजेशन के माध्यम से जनपद के अवशेष 12 विकास खण्डों में से प्रत्येक के लिए एक-एक लाभार्थी का चयन किया गया। इसके साथ ही उपलब्ध लक्ष्य पांच के सापेक्ष विकास खण्ड जरवल, महसी, तेजवापुर, शिवपुर तथा मिहींपुरवा से एक-एक लाभार्थी का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से शेष पात्र अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लक्ष्य अथवा रिक्ति उपलब्ध होने पर उन्हें भी योजना का लाभ दिया जा सके। बैठक के दौरान अधिकारियों ने योजना के उद्देश्यों, पात्रता तथा लाभार्थी चयन की प्रक्रिया पर भी चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि पशुपालन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्र के पात्र परिवारों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित योजनाओं का लाभ नियमानुसार पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मोहम्मद शकील, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी दीपक कुमार, नेटवर्क फील्ड अभियंता रमन गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवं योजना के अभ्यर्थी मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला उद्योग बन्धु, श्रम बन्धु व जिला टास्क फोर्स बालश्रम समिति की बैठक

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। उद्यमियों, व्यापारियों एवं श्रमिकों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा शासन की योजनाओं का पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु, श्रम बन्धु एवं जिला टास्क फोर्स बालश्रम समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रमिक पंजीकरण, बालश्रमिकों के पुनर्वासन, औद्योगिक इकाइयों से संबंधित समस्याओं, निवेश मित्र पोर्टल, अप्रेन्टिसशिप, सड़क मरम्मत सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। सहायक श्रमायुक्त राज बहादुर यादव ने बताया कि जनपद बहराइच में अब तक कुल 2,13,890 श्रमिक पंजीकृत हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों का पंजीकरण कराया जाए तथा प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों से अपने-अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों का पंजीकरण कराने की अपील करते हुए श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी श्रमिकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को ही विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है, इसलिए पात्र श्रमिकों का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिया कि जनपद के सभी ब्लॉकों एवं नगर निकायों में श्रमिक पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएं तथा ई-रिक्शा के माध्यम से श्रम विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। शिविरों में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इन शिविरों का लाभ उठा सकें। बैठक में बालश्रम के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने विभाग द्वारा चिन्हित किए गए बालश्रमिकों का नियमानुसार पुनर्वासन कराने तथा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को आईटीआई के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में श्रमिकों के लिए चिन्हित लेबर अड्डों पर टिन शेड, शौचालय एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। नगर मजिस्ट्रेट एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहराइच को लेबर अड्डे के लिए उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने समय-सीमा के बाद लंबित आवेदनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए डीएम ने तीन प्रकरणों में की गई कार्रवाई एवं संबंधित अभिलेख उपायुक्त उद्योग को उपलब्ध कराने तथा लंबित दो प्रकरणों को आगामी बैठक से पूर्व निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्र-छात्राओं को औद्योगिक इकाइयों में अप्रेन्टिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने तथा पात्र युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना से आच्छादित कराने के भी निर्देश दिए। एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान मिहींपुरवा क्षेत्र में अपूर्ण वृहद फिशमीड मील परियोजना का मामला सामने आया। प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य बाबू राम ने बताया कि प्रकरण की जांच मुख्यालय स्तर से गठित टीम द्वारा की जानी है। इस पर जिलाधिकारी ने महानिदेशक मत्स्य को पत्र भेजकर प्रकरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित उद्यमियों एवं व्यापारियों ने बारिश के बाद सड़कों पर हुए गड्ढों की मरम्मत कराने का सुझाव रखा। इस पर जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण से संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के बाद सड़कों पर हुए गड्ढों का तीन दिन के भीतर चिन्हांकन कराकर एक पखवाड़े के अंदर मरम्मत कार्य पूरा कराया जाए। औद्योगिक भू-खण्डों से संबंधित लैण्ड एक्सचेंज के प्रकरणों में मुख्य राजस्व अधिकारी से परीक्षण कराने तथा एक व्यावसायिक भवन के विद्युत कनेक्शन को कामर्शियल श्रेणी से औद्योगिक श्रेणी में परिवर्तित कराने के लिए यूपीपीसीएल के चेयरमैन को पत्र भेजने के निर्देश भी दिए गए। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग केशवराम वर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच सुन्दरेशा, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह सहित अन्य जनपदीय अधिकारी तथा औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों और ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

नैनिहा में राशन वितरण की जांच, 80 से अधिक लाभार्थियों के दर्ज हुए बयान

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के ग्राम नैनिहा में उचित दर की दुकान से राशन वितरण में कथित अनियमितता को लेकर की गई शिकायत के बाद पूर्ति विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान शिकायतकर्ता राजन कुमार सहित 80 से अधिक राशन कार्डधारकों एवं लाभार्थियों के बयान दर्ज किए गए। ग्रामीणों ने जांच अधिकारी के समक्ष निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न मिलने, वितरण व्यवस्था में कथित अनियमितता तथा कोटेदार के व्यवहार से संबंधित शिकायतें दर्ज कराईं। ग्राम निवासी राजन कुमार ने उचित दर विक्रेता विष्णु कुमार के खिलाफ राशन वितरण को लेकर शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार 14 अगस्त 2026 को वह राशन लेने के लिए उचित दर की दुकान पर पहुंचे थे और निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न देने की मांग की थी। आरोप है कि उस समय उन्हें पूरा राशन देने से मना कर दिया गया तथा पूरा गल्ला आने के बाद राशन देने की बात कही गई। इसके बाद राजन कुमार ने जनसुनवाई/आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रारंभिक स्तर पर बिना मौके की समुचित जांच किए रिपोर्ट लगा दी गई, जिसके बाद उन्होंने तहसील मिहींपुरवा के पूर्ति निरीक्षक कौशलेंद्र प्रताप को लिखित प्रार्थना पत्र देकर मामले की दोबारा जांच कर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के क्रम में 22 सितंबर को पूर्ति निरीक्षक कौशलेंद्र प्रताप गांव नैनिहा पहुंचे और मौके पर जांच की। इस दौरान शिकायतकर्ता के अलावा बड़ी संख्या में राशन कार्डधारकों एवं लाभार्थियों से राशन वितरण के संबंध में जानकारी ली गई तथा 80 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए गए। ग्रामीणों ने कथित गल्ले की कटौती, निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न न मिलने तथा वितरण के दौरान होने वाली परेशानियों की जानकारी अधिकारी को दी। कुछ लाभार्थियों ने बताया कि राशन लेने के दौरान निर्धारित मात्रा को लेकर

सक्षिप्त खबरें...

घण्टाघर लेबर अड्डे पर लगा पंजीयन एवं स्वास्थ्य शिविर, 47 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को घण्टाघर स्थित लेबर अड्डे पर श्रम विभाग की ओर से श्रमिकों के कल्याणार्थ प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक पंजीयन एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश एवं मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का उद्देश्य श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकों की टीम ने 47 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा जांच के उपरांत आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया। वहीं श्रम विभाग की ओर से 67 श्रमिकों का पंजीयन एवं नवीनीकरण कराया गया, जबकि 61 श्रमिकों को डिजिटल लेबर चौक ऐप डाउनलोड कराया गया। शिविर में मौजूद सहायक श्रमायुक्त राज बहादुर यादव ने श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए श्रमिकों का पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने श्रमिकों से समय पर अपना पंजीकरण एवं नवीनीकरण कराने तथा शासन की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रमिकों की सुविधा के लिए आगामी 24 सितंबर को लेबर अड्डा चांदपुरा तथा 28 सितंबर को लेबर अड्डा छावनी बाजार में पंजीयन एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अधिक से अधिक श्रमिकों से निर्धारित तिथियों पर शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराने, पंजीयन अथवा नवीनीकरण कराने तथा श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया। शिविर के दौरान श्रम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

लार्ड बुद्धा पी.जी. कालेज में आयोजित हुआ कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 23 सितंबर। जनपद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत लार्ड बुद्धा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रूपईडीहा में कैरियर काउन्सिलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य सन्दीप कुमार जायसवाल ने की। कैरियर काउन्सिलिंग सत्र में विषय विशेषज्ञ आशुतोष अंकुर श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध शिक्षा, रोजगार एवं कैरियर से जुड़े अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं अपनी शैक्षिक योग्यता, रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन करें और उपलब्ध अवसरों का पूरी गंभीरता के साथ लाभ उठाएं। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के क्षेत्रों तथा आगे की शिक्षा से संबंधित संभावनाओं के बारे में भी जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार ने सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप विभिन्न रोजगार एवं सेवायोजन से संबंधित अवसरों की जानकारी प्राप्त हो सकती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आह्वान किया कि वे सेवायोजन पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं और देश के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का भी लाभ उठाएं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कैरियर एवं रोजगार से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं तथा विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्रबन्धक डॉ. हरिश्चन्द्र ने उपस्थित अतिथियों एवं वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं को सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकरण कराने तथा अपने कैरियर को लेकर निरन्तर प्रयास करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सही दिशा में किया गया प्रयास विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/ info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।

लारा दत्ता ने मां के अल्जाइमर से जूझने का किया जिक्र, बोलीं, इसे बढ़ती उम्र की बीमारी समझकर नजरअंदाज न करें

दिल्ली में वर्ल्ड अल्जाइमर डे के मौके पर अभिनेत्री लारा दत्ता भूपति अल्जाइमर अवेयरनेस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर आने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की और लोगों से अपील की कि अल्जाइमर को केवल भूलने की बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करें। इस बीमारी को लेकर परिवार में समय रहते बातचीत शुरू करना जरूरी है ताकि इसके शुरुआती संकेतों को पहचाना जा सके और जरूरत पड़ने पर सही मदद ली जा सके। लारा दत्ता ने कहा, %%आज वर्ल्ड अल्जाइमर डे है और सबसे जरूरी मैसेज जो मैं देना चाहती हूं, वह यह है कि हम अक्सर सोचते हैं कि अल्जाइमर सिर्फ भूलने की बीमारी है। मेरी मां 80 साल की हैं और वह करीब 10 साल से अल्जाइमर और डिमेंशिया के साथ जी रही हैं।%% उन्होंने कहा, %%जिस तरह की देखभाल हम उन्हें दे पाए हैं, वह अच्छे डॉक्टरों, एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम और देखभाल करने वालों की मदद के बिना मुमकिन नहीं होती। इसलिए जब अल्जाइमर की बात आती है तो आज सबसे जरूरी बात यह है कि हम इसके बारे में बात करें और बातचीत शुरू करें।%%

लारा के कहा, %%बीमारी के शुरुआती संकेतों को समझना बेहद जरूरी है। हमें जितनी जल्दी हो सके शुरुआत करनी चाहिए, ताकि बीमारी को उसके शुरुआती स्टेज में पहचाना जा सके और खुद को मजबूत बनाया जा सके। अगर हमें अपने किसी करीबी में या खुद में सोचने या याददाश्त में बदलाव महसूस होने लगे, तो हम सही तरीके से मदद ले सकें।%%

अभिनेत्री ने लोगों से अपील की, कि हर तरह की भूलने की समस्या को सामान्य उम्र बढ़ने का हिस्सा मान लेना सही नहीं है। उन्होंने कहा, %%इसे सिर्फ भूलने की समस्या समझकर पांच साल इंतजार मत कीजिए कि देखते हैं क्या होता है। यह बहुत जरूरी है कि आप इसे सामान्य उम्र बढ़ने की प्रक्रिया मानकर न चले।%%

इसके अलावा, लारा दत्ता ने लोगों से अच्छे हेल्थकेयर प्रैक्टिशनर से मिलने, सवाल पूछने और जरूरत के मुताबिक सपोर्ट सिस्टम तैयार करने की अपील की। उन्होंने कहा, %%अल्जाइमर या डिमेंशिया के साथ रह रहे व्यक्ति के साथ-साथ उसकी देखभाल करने वाले परिवार के सदस्यों को भी मदद और सहयोग की जरूरत होती है।%%

हम 24 में 36 घंटे काम करते थे, रवीना-करिश्मा ने याद किया 90 के दशक का दौर

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो %इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5% के सेट पर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने 90 के दशक के बॉलीवुड दौर को याद किया। वह शो के सेमी-फिनाले एपिसोड में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचीं थी। इस दौरान उन्होंने शो की जज और साथी एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के साथ पुराने दौर की कई यादें साझा कीं। रवीना ने बताया कि उस समय वह और करिश्मा एक दिन में कई फिल्मों की शूटिंग करती थीं और कई बार उन्हें खुद भी याद नहीं रहता था कि वह किस फिल्म के किस किरदार में हैं। रवीना ने मजाकिया अंदाज में कहा, %%मुझे लगता है कि 90 के दशक में शायद दो ही हीरोइनें थीं, जो 24 घंटे में 36 घंटे काम करती थीं। इनमें एक करिश्मा कपूर थी और दूसरी मैं खुद थी। एक ही दिन में करीब छह अलग-अलग प्रोडक्शन के सेट पर शूटिंग करनी पड़ती थी। कहीं दो घंटे शूटिंग, फिर दूसरे सेट पर डेढ़ घंटे, उसके बाद किसी और जगह तीन घंटे और फिर दूसरे सेट पर चार घंटे। इस तरह पूरा दिन अलग-अलग लोकेशन और किरदारों के बीच निकल जाता था।

रसोई में सेहत का खजाना, इनका सेवन स्वास्थ्य और शरीर के लिए वरदान

प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में बुधवार को पूरे देश और दुनिया में 11वां आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम %स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद% है। इसका मकसद वैज्ञानिक रिसर्च के जरिए आयुर्वेद को आधुनिक हेल्थकेयर का अहम हिस्सा बनाना है। आयुर्वेद दिवस मनाने की शुरुआत भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वर्ष 2016 में धन्वंतरि जयंती के अवसर पर की थी, जिसके बाद से हर वर्ष इस दिवस को मनाया जा रहा है। बहुत से लोग सोचते हैं कि आयुर्वेद का मतलब जड़ी-बूटियों पर आधारित स्वास्थ्य सेवा और उपचार है, लेकिन आयुर्वेद केवल जड़ी-बूटियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण जीवनशैली और दीर्घायु होने का विज्ञान है। हर व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयुर्वेद से जुड़ा है, जिसमें सबसे अहम जुड़ाव का माध्यम हमारे घर की रसोई है। रसोई में मौजूद कई चीजें आयुर्वेदिक औषधि के तौर पर भी इस्तेमाल होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको आयुर्वेद दिवस के खास अवसर पर आमतौर पर हर किसी की रसोई में इस्तेमाल की जाने वाली कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिसका आयुर्वेद से गहरा नाता होने के साथ स्वास्थ्य संबंधी कई लाभ हैं।

हल्दी उनमें से ही एक है। इसमें %करक्यूमिन% नामक सक्रिय यौगिक होता है, जो शरीर की सूजन को कम करने, खून को साफ करने और त्वचा के घावों को भरने में मदद करता है। वहीं, आयुर्वेद में ताजे अदरक को सर्वगुण संपन्न औषधि माना गया है। इसके सेवन से गले की खराश और सीने की जकड़न में राहत मिलती है। अमूमन सभी के घर की रसोई में मौजूद जीरा का सेवन करने से पाचन शक्ति बढ़ती है। यह पेट की गैस को दूर करता है और शरीर को अंदर से स्वस्थ रखने में मदद करता है। लहसुन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के साथ हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। सौंफ किचन में इस्तेमाल किया जाने वाला एक ऐसा मसाला है, जिसकी तासीर ठंडी होती है। इसमें मीठी खुशबू होती है, जो पेट की गैस को निकालने में मदद करती है और पाचन को शांत रखने के साथ-साथ सांस को साफ रखती है। ठीक इसी प्रकार मसालों की रानी इलायची पाचन को सुचारु बनाने में मदद

मन को शांत और रीढ़ को मजबूत बनाता है सेतुबंधासन, जानें करने का सही तरीका

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता तनाव हमारे शरीर और मन दोनों पर बुरा असर डाल रहा है। ऐसे में शरीर को लचीला और मन को शांत रखने के लिए योग से बेहतर कुछ नहीं है। योग के कई आसनों में से एक है %सेतुबंधासन%, जिसे ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है। रोजाना कुछ मिनट इस आसन का अभ्यास करने से शरीर ज्यादा ऊर्जावान और स्वस्थ रहता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, सेतुबंधासन मानसिक तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है। यह आसन शरीर को आराम पहुंचाता है और दिमाग को शांत रखता है। इसे करने से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पाचन तंत्र बेहतर काम करता है। साथ ही, यह फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने में मदद करता है, जिससे सांस संबंधी समस्याएं कम होती हैं। यह आसन थायराइड ग्रंथि को भी संतुलित करता है, जिससे हार्मोन से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। यह एक ऐसा सरल और असरदार आसन है जो न सिर्फ कमर दर्द और थकान को दूर करता है बल्कि रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने और मन को सुकून देने में भी मदद करता है।

यह पेट, फेफड़े और थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करता है। साथ ही, यह हार्मोन का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे मन खुश रहता है। इस आसन को नियमित रूप से करने से नींद भी बेहतर होती है और दिनभर ताजगी बनी रहती है। मानसिक थकान या तनाव से जूझ रहे लोगों के लिए सेतुबंधासन एक सरल और असरदार उपाय है। यह आसन महिलाओं को मासिक धर्म संबंधी समस्याओं से जूझने में मदद करता है। इस आसन से शरीर में खिंचाव आता है और आराम महसूस होता है। मेनोपॉज के दौरान भी यह योग तनाव, गर्मी लगने और मूड स्विंग को शांत करने में सहायक होता है। यह आसन हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। नियमित अभ्यास से शरीर और मन दोनों को राहत मिलती है।

बेहतर कल के लिए आयुर्वेद एक नारा नहीं हकीकत है - डॉ .मनजीत कौर

आज ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर फूट रहें हैं,बादल फट रहे हैं,जंगलों में आग धधक रही है,कई प्राणियों की प्रजातियाँ लुप्त हो गई हैं,नित नये वायरस अपना रूप बदल कर आ रहे हैं। यह सब क्या है ? यह प्रकृति का ही प्रतिशोध है जो इंसानों के अति महत्वाकांक्षी होने पर हमें दिखाई दे रहा है। आज धरती माता की जो हालत है वह किसी से छुपी हुई नहीं है। इंसान सारा कूड़ा कचरा नदियों में डाल रहा है और कीटनाशको का भी तय मानकों से ज्यादा उपयोग करने से खाद्य पदार्थों में पोषक तत्व घट रहें हैं। धरती पर मिलावट का प्रभाव साफ़ दिखाई दे रहा है जिससे सारा संतुलन बिगड़ रहा है। अशुद्ध पानी की वजह से अनेक आंत्र संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर इंसान अपनी सेहत पर ध्यान देने की बजाय अधिक पैसा कमाने पर अधिक ध्यान दे रहा है। जब तक हम सभी को यह समझ नहीं आयेगा कि पहला सुख निरोगी काया है।तब तक बीमारियों का यह सिलसिला रुकने के बजाय और अधिक बढ़ता ही जायेगा।

हमारी प्रथम प्राथमिकता हमारा स्वास्थ्य और प्रथम प्रेम हमारी प्रकृति होनी चाहिए। आयुर्वेद प्रकृति की गोद से ही निकला है जो हमें प्रकृति से प्रेम करना सिखाता है।पेड़ पौधों से ही औषधियाँ बनती हैं जो मानव जाति को निरोगी बनाती हैं।इसके अलावा हमारे जो खनिज हैं उनसे रसोषधियों का निर्माण किया जाता है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की सबसे प्राचीन वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति है।आज के समय में इसकी जरूरत और उपयोगिता और भी ज्यादा बढ़ गईं है।आज जब विश्व अनेक लाइलाज बीमारियों के साथ पर्यावरण, मौसम, जलवायु ,जल , थल , नभ , कृषि, व्यापार इत्यादि की दृष्टि से अनेक बदलावों से गुजर रहा है तो इसका सीधा असर मानव और प्रकृति के अन्य जीवों पर भी पड़ रहा है। आज हम देख रहे हैं कि प्रकृति का मिज़ाज जिस तरह से बदल रहा है इसका कारण भी हम इंसान है।हमने चाहे विज्ञान, कृषि, चिकित्सा, उद्योगों, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि क्षेत्रों में चाहे कितनी भी प्रगति कर ली है,लेकिन इससे हमारी प्रकृति को कितना नुकसान हो रहा है इसका पूरी तरह से ईमानदारी के साथ आंकलन अब तक नहीं हो सका है।

आयुर्वेद हर तरफ संतुलन की बात करता है केवल सम दोष, सम अग्नि,सम धातु,सम मल की समानता की बात नहीं करता बल्कि प्रसन्न आत्मा,इन्द्रियों और प्रसन्न मन जिसके हो उसको ही स्वस्थ कहता है।चरक संहिता जो कि आयुर्वेद का सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा ग्रंथ है उसमें सद्वृत्त का विस्तृत वर्णन मिलता है।सद्वृत्त के अन्तर्गत एक मनुष्य को अपने कल्याण के लिए क्या क्या करना चाहिए और क्या क्या नहीं करना चाहिए सभी बातों को उल्लेख मिलता है। प्रकृति ईश्वर द्वारा इंसान को दिया गया वो तोहफ़ा है जहाँ पर उसे शांति सुकून और आत्मिक आनंद मिलता है।पेड़ पौधों से न केवल हमें साँसें मिल रही हैं बल्कि रोगों को दूर करने वाली औषधियों के अतिरिक्त परोपकारी जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सीख भी मिलती है।मौसमी बीमारियों को हम आयुर्वेद के माध्यम से आसानी से रोक सकते हैं और उनका उपचार कर सकते हैं। बिना जरूरत की एंटीबायोटिक दवाओं के खर्च और दुष्परिणामों से भी बच सकते हैं। प्रकृति ने शरीर को खुद हील होने की पावर भी दी है लेकिन तुरंत रिज़ल्ट के चक्कर में हम बिना जरूरत के भी दवा खा लेते हैं जिनसे हमें बचना चाहिए लेकिन जहाँ स्थिति ठीक न लगे तुरंत चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। खाँसी,जुकाम,उल्टी,दस्त जैसी बीमारियाँ तो हमारी रसोई में रखे मसले जैसे लौंग, दाल चीनी,काली मिर्च, हल्दी, सौंठ, सौंफ, पुदीना, जीरा अदरक,तेजपत्ता लहसुन,प्याज़ शहद इत्यादि से ही ठीक कर सकते हैं लेकिन अगर बीमारी कारण दूसरा हो और ज्यादा उल्टी दस्त हो जाये तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।किसी भी दवा का सेवन चिकित्सकीय सलाह के बिना नहीं करना चाहिये। आयुर्वेद में ब्रह्म मुहूर्त में उठने से लेकर दिनचर्या,ऋतुचर्या,आचार रसायन, धारणीय, अधारणीय वेग,आहार विधि विशेषायतन, मात्रापूर्वक आहार,अग्नि पर विशेष जोर दिया गया है। प्रकृति